हिंदी डेली

आपकी बात- हमारे साथ

dailyhindihyd@gmail.com E-paper-hindidailyweb.in WhatsApp No- 9666641609

VOLUM NO : 15 ISSUE NO : 257 Thursday, 10 July 2025 गुरुवार, 10 जुलाई 2025 HYDERABAD 8 PAGES RS.3. 00

गजबै है बिहार: महिला की वोटर आईडी पर सीएम नीतिश की फोटो

मधेपुरा में पति बोला-पत्नी किसे समझूं, सीएम या अभिलाषा को

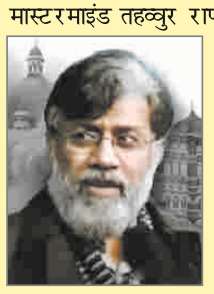

मधेपुरा (एजेंसी)। मधेपुरा के जयापालपट्टी की रहने वाली एक महिला के वोटर आईडी पर मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की फोटो लगी है। यह मामला तब सामने आया, जब बुधवार को बिहार बंद के दौरान महिला का पति चंदन कुमार आईडी कार्ड लेकर मीडिया के पास पहुंच गया। चंदन ने मीडिया को जब आईडी दिखाया तो उस पर नाम अभिलाषा कुमारी लिखा है, लेकिन तस्वीर सीएम नीतिश की लगी है। ऐसे में चंदन का कहना है, मैं पत्नी किसे मानूं, अभिलाषा को या नीतिश कुमार को। चंदन ने इसे चुनाव आयोग की लापरवाही बताया है। उसने बताया, करीब ढाई महीने पहले पोस्ट ऑफिस के जरिए हमारी पत्नी के नाम से वोटर आईडी कार्ड आया। लिफाफे पर नाम और पता सब ठीक था, लेकिन कार्ड देखा तो उस पर मुख्यमंत्री की फोटो छपी थी। चंदन कुमार ने बताया, इस गड़बड़ी को

लेकर हम अपने बीएलओ के पास पहुंचे। चंदन ने सवाल उठाते हुए कहा, आमतौर पर बीएलओ ने कहा, यह बात किसी को न बताना। वोटर आईडी पर किसी अनजान व्यक्ति की तस्वीर गलती से लग जाती है, लेकिन एक राज्य के मुख्यमंत्री की फोटो आम महिला के कार्ड पर छपना बड़ी लापरवाही है। इसका उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि इस तरह की गलती भविष्य में न हो। चंदन के कहा, चुनाव आयोग बीजेपी की कठपुतली बन कर रह गया है। इसलिए इस तरह की गलतियां हो रही हैं। एक तरफ मर्डर और रेप हो रहा है। इससे प्रदेश की जनता त्रस्त है। अब वोटर वेरिफिकेशन करवा कर लोगों को परेशान किया जा रहा है। उप निर्वाचन पदाधिकारी जितेंद्र कुमार ने कहा कि कर्नाटक से मतदाता पहचान पत्र बनकर आता है। फार्म आठ भरकर वह एसडीओ कार्यालय या ऑनलाइन जमा कर देंगे तो उसमें सुधार हो जाएगा।

छांगुर बाबा की कोठी पर दूसरे दिन भी ऐक्शन

- गरज रहा है योगी का बुलडोजर चकाचौंध देख हर कोई हैरान

बलरामपुर (एजेंसी)। यूपी में धर्मांतरण के मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की कोठी पर दूसरे दिन भी बुलडोजर चला। प्रशासन को कोठी के अंदर एक मिनी पावर हाउस मिला है। बाथरूम में भी विदेशी ब्रांड के सामान मिले हैं। इसके अलावा, कोठी के

अंदर एक घोड़ा भी बंधा मिला। छांगुर बाबा ने 6 जर्मन शेफर्ड कुत्ते भी पाल रखे थे, जिन्हें गांव वाले उठा ले गए थे। हालांकि, जब पुलिस ने सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी, तो गांव वालों ने कुत्ते वापस सौंप दिए। बलरामपुर के उतरौला में बुधवार सुबह 10 बजे प्रशासन की टीम बुलडोजर लेकर कोठी पर पहुंची।

आतंकी तहव्वुर की ज्यूडिशियल कस्टडी 13 अगस्त तक बढ़ी

- एनआईए ने सप्लीमेंट्री चार्जशीट भी दाखिल की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एनआईए कोर्ट ने 26/11 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की ज्यूडिशियल

कस्टडी 13 अगस्त तक बढ़ा दी है। वहीं, राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बुधवार को राणा के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। कोर्ट 13 अगस्त को इस चार्जशीट पर सुनवाई करेगा। ये राणा के खिलाफ दूसरी चार्जशीट है। इससे पहले 2011 में पहली चार्जशीट दायर की गई थी। इसमें एनआईए ने राणा को डेविड हेडली और अन्य आतंकवादियों के साथ 26/11 हमले का साजिशकर्ता बताया था।

जस्टिस यशवंत वर्मा से छिनेगा जज का पद!

- विपक्षी सांसद भी तैयार, प्लान बना रही सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी आवास में बड़े पैमाने पर कैश मिलने पर घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा की कुर्सी छीनने की प्रक्रिया जल्दी ही आगे बढ़ सकती है। उनके खिलाफ सरकार महाभियोग प्रस्ताव को मंजूरी दे चुकी है और 21 जुलाई से

शुरू होने वाले मॉनसून सेशन में इसे पेश किया जाएगा। फिलहाल सरकार के लेवल पर इस बात को लेकर मंथन हो रहा है कि इसे राज्यसभा में पहले पेश किया जाए या फिर पहले लोकसभा से पारित करा लिया जाए। विपक्षी सांसद भी जस्टिस यशवंत वर्मा के महाभियोग प्रस्ताव पर समर्थन के लिए तैयार हैं। बस कांग्रेस की एक डिमांड यह है कि जस्टिस शेखर यादव पर भी महाभियोग लाया जाए, जिन्होंने विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में सांप्रदायिक बयान दिए थे।

राजस्थान के चूरू में जगुआर लड़ाकू विमान क्रैश

- गांव में दूर-दूर तक बिखरा नजर आया प्लेन का मलबा

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के चूरू में भारतीय वायु सेना का फाइटर जेट क्रैश हो गया है। सेना के सूत्रों के मुताबिक यह जगुआर फाइटर जेट है। इस हादसे में विमान के पायलट और को-पायलट शहीद हो गए हैं। मौके पर फाइटर जेट जैसा मलबा बिखरा पड़ा है। चूरू एसपी जय यादव ने बताया कि राजलदेसर थाना क्षेत्र

के गांव भाणूदा में प्लेन क्रैश हुआ है। इसमें दो लोगों की मौत हुई है। मौके पर राजलदेसर पुलिस को भेजा गया है। मलबे के पास से बुरी तरह क्षत-विक्षत शव के टुकड़े मिले हैं। बताया जा रहा है कि हादसे से पहले तकनीकी कारणों से पायलट इजेक्ट नहीं कर पाए। पिछले 5 महीनों में देश भर में तीन जगुआर क्रैश हो चुके हैं। सेना के सूत्रों के मुताबिक यह जगुआर फाइटर जेट श्रीगंगानगर के पास सूरतगढ़ एयरबेस से उड़ा था। यह जेट टू सीटर था, ट्रेनिंग के लिए इसका उपयोग किया जाता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक उन्होंने पहले विमान की गड़गड़ाहट सुनी, फिर जोरदार धमाके की आवाज आई। इसके बाद प्रशासन को घटना की जानकारी दी गई।

नामीबिया पहुंचे पीएम मोदी यात्रा से बदलेगी तकदीर!

अफ्रीका का सऊदी अरब माना जाता है नामीबिया

विंडहोक (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार सुबह नामीबिया पहुंचे। ये दौरा इस लिहाज के खास है क्योंकि भारतीय पीएम 27 साल के बाद नामीबिया गए हैं। इस दौरान नामीबिया से यूरेनियम के निर्यात और तेल- गैस की खोज में सहयोग पर भारत का समझौता हो सकता है, जो इस दौरे की अहमियत को बढ़ा देता है। नामीबिया में भारत के उच्चायुक्त राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि भारत नामीबिया से यूरेनियम का निर्यात करने और वहां हुई तेल-गैस की खोज में रुचि रखता है। ये भारत के लिए बड़ा फायदे का सौदा हो सकता है क्योंकि नामीबिया में कीमती खनिजों का बड़ा भंडार है। कई एक्सपर्ट नामीबिया को अफ्रीका का सऊदी अरब तक कहते हैं। नामीबिया अफ्रीका एक छोटा देश है, जिसकी आबादी सिर्फ 30 लाख है। इसके बावजूद इसकी दुनिया में बहुत अहमियत है। इवकी वजह नामीबिया का तेल, गैस, यूरेनियम, तांबा, सोने और दूसरे खनिजों का भंडार है। नामीबिया दुनिया के बड़े तेल क्षेत्रों में से एक है।

भविष्य में बढ़ेगा नामीबिया का दबदबा

नामीबिया में 2,30,000 वर्ग किलोमीटर लाइसेंसी जमीन है, जबकि नॉर्वे में 100,00 वर्ग किलोमीटर से भी कम है। हालांकि यह क्षेत्र अभी बड़े पैमाने पर कम खोज वाला माना जाता है। यहां उत्तरी सागर और मैक्सिको की खाड़ी जैसे अपतटीय क्षेत्रों में हजारों की तुलना में केवल कुछ गहरे कुएं हैं लेकिन एक्सपर्ट आने वाले समय में तेजी से नामीबिया में खोज की सफलता बढ़ने की उम्मीद कर रहे हैं। अपतटीय तेल की खोज से अनुमान है कि 2035 तक नामीबिया दुनिया के अग्रणी तेल उत्पादकों की श्रेणी में आ जाएगा। माना जा रहा है कि अगले 12-24 महीने नामीबिया की तेल आकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण हों। 2026 में टोटलएनर्जीज बेसिन के व्यापक विकास की दिशा तय करेगा। इसी बीच ऑरेंज बेसिन में ड्रिलिंग और खोज का काम होगा। नामीबिया की अपतटीय तेल खोजें खासतौर से इस दशक में अफ्रीका के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा अवसरों में से हैं।

वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में बिहार में बवाल

- बंद के दौरान सड़क पर उतरे महागठबंधन के नेता

पटना (एजेंसी)। बिहार में बुधवार को महागठबंधन ने चुनाव आयोग के वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में बंद का आह्वान किया। इस दौरान 7 शहरों में ट्रेनें रोकीं गईं और 12 नेशनल हाईवे जाम किए गए। कांग्रेस नेता

राहुल गांधी भी विरोध में शामिल होने के लिए दिल्ली से पटना पहुंचे और यहां विरोध रैली में शामिल हुए। उनके साथ तेजस्वी यादव और वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी भी शामिल हुए। इनकम टैक्स चौराहे से राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य एक गाड़ी पर सवार होकर प्रदर्शन करते चुनाव आयोग के ऑफिस के लिए निकले। पुलिस ने सभी नेताओं को सचिवालय थाने के पास बैरिकेडिंग कर रोक दिया। उन्हें यहां से आगे जाने की परमिशन नहीं दी गई। यहीं से कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद सभी नेता लौट गए। यहां से चुनाव आयोग का ऑफिस करीब 150 मीटर दूर था।

राहुल बोले-महाराष्ट्र की तरह बिहार चुनाव में चोरी की कोशिश

राहुल गांधी ने कहा, चुनाव आयोग मैं आपको साफ बोल रहा हूं। मैं बिहार और हिन्दुस्तान की जनता को स्पष्ट कह रहा हूं कि महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था और वैसे ही बिहार को चुनाव चोरी करने की कोशिश की जा रही है। उन्हें पता है कि हमने महाराष्ट्र मॉडल समझ लिया इसलिए वे बिहार मॉडल लाए हैं।

कर्मचारी हड़ताल

ट्रेड यूनियन्स का दावा- सफल रहा आंदोलन

- देश भर में बैंक और डाकघर में काम पर असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बैंक, बीमा, डाक और पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसी सर्विसेज 9 जुलाई को देश में कई जगहों पर प्रभावित रहीं। 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और उनके सहयोगी संगठनों ने हड़ताल बुलाई थी। यूनियन का दावा है कि देशभर में 25 करोड़ कर्मचारी हड़ताल पर रहे। ट्रेड यूनियंस निजीकरण और 4 नए लेबर कोड्स के विरोध में हैं। ये केंद्र की उन नीतियों का विरोध कर रही हैं, जिन्हें वे मजदूर-विरोधी, किसान-विरोधी और कॉर्पोरेट समर्थक मानती हैं। पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के मुताबिक देश में पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर में 56 करोड़ कर्मचारी हैं। इसमें इनफॉर्मल सेक्टर में 50 करोड़ और फॉर्मल सेक्टर में 6 करोड़ कर्मचारी हैं। पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी में तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं और ट्रेड यूनियन नेताओं के बीच भारत बंद को लेकर जोरदार भिड़ंत हुई। यह बंद लेफ्ट पार्टियों की ट्रेड यूनियनों ने बुलाया है। भारत बंद के दौरान दावा किया जा रहा था कि केंद्र सरकार आर्थिक सुधार ला रही है लेकिन मजदूरों के हक को कमजोर कर रहा है।

राष्ट्रविरोधी कंटेंट पोस्ट करने वालों के खिलाफ एनआईए

- बड़ी कार्रवाई की है तैयारी, बनाई जा रही है एक नई योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनआईए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर राष्ट्र विरोधी सामग्री अपलोड करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। एनआईए खुफिया और साइबर सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर देश विरोधी कंटेंट अपलोड करने वालों के खिलाफ एक मजबूत तंत्र बना रहा है। जांच एजेंसियां ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रही हैं क्योंकि आतंकी संगठन अब सब कट्टरपंथ फैलाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। हाल में ही, खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू, गैंगस्टर गोल्डी बरार और अन्य भारत विरोधी लोगों के ऑनलाइन वीडियो भारत सरकार द्वारा ब्लॉक किए गए हैं।

बारिश-बाढ़ से बेहाल हुए यूपी-एमपी और उत्तराखंड

अयोध्या में घरों में घुसा पानी, वाराणसी में घाट डूबे

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी में बुधवार को भारी बारिश जारी रही। अयोध्या में घरों में पानी भर गया है। प्रयागराज में बारिश के पानी में डूबने से 4 बच्चों की मौत हो गई। वाराणसी में दशाश्वमेध घाट और अस्सी घाट तक पानी पहुंच गया है। इसके चलते गंगा आरती का स्थान बदला गया है। मध्य प्रदेश में नर्मदा उफान पर है। मंडला, डिंडौरी, श्योपुर, शहडोल, उमरिया जिले बाढ़ की चपेट में हैं। छतरपुर के बान सुजारा डैम के 12 गेट खोले गए, दमोह में सतधरू-साजली बांध के 3-3 गेट खोले गए। वहीं, जबलपुर में बरगी डैम के 17 गेट खोले गए हैं। महाराष्ट्र के नागपुर में लगातार हो रही तेज बारिश के चलते न्यू नरसाला इलाके में घर और गाड़ियां पानी में डूब गईं। हालात को देखते हुए नागपुर नगर निगम ने राफ्ट (नाव) की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया है। उत्तराखंड में मानसून जमकर बरस रहा है। मंगलवार को चमोली जिले के नंदप्रयाग घाट के पास मुख गांव में बादल फटने से तबाही मच गई। एनडीआरएफ ने बताया कि जनहानि की सूचना नहीं है।

हिंद महासागर में 6 स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट उतारने की तैयारी

नौसेना की मारक क्षमता बढ़ेगी, 17ए प्रोजेक्ट यानी भारत के दुश्मनों की तबाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना अगले एक साल में छह अत्याधुनिक स्वदेशी युद्धपोतों को अपने बेड़े में शामिल करेगी। इससे हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी ताकत और बढ़ जाएगी। दरअसल, चीन इस क्षेत्र में अपना प्रभाव लगातार बढ़ाए जा रहा है। ऐसे में यह कदम भारत के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। ये सारे स्टील्थ फ्रिगेट प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनाए जा रहे हैं। इन सभी में अत्याधुनिक तकनीकों की भरमार है। अगस्त-सितंबर 2026 तक ये सभी छह नौसेना में शामिल हो जाएंगे। इन स्टील्थ फ्रिगेट के नाम हैं- उदयगिरि, तारागिरि, महेंद्रगिरि, हिमगिरि, दुनागिरि और विंध्यगिरि। बनने के बाद ये सारे अत्याधुनिक जंगी जहाज भारत की युद्धपोत निर्माण की क्षमता दिखाएंगे। 17ए स्टील्थ फ्रिगेट में 75 फीसदी कलपुर्जे भारत में ही बने हैं। ये समुद्र में होने वाली लड़ाइयों में दुश्मनों को हराने में सक्षम हैं। नौसेना ने पहला पी-17ए युद्धपोत, नीलगिरी, जनवरी में ही शामिल किया था। उम्मीद है कि उदयगिरि अगस्त में शामिल हो जाएगा। 45,000 करोड़ का पी-17ए प्रोजेक्ट, शिवालिक-क्लास का अगला रूप है। यह पहले के युद्धपोतों से बेहतर है। तारागिरि और महेंद्रगिरि को मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड बना रहा है। हिमगिरि, दुनागिरि और विंध्यगिरि को कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड बना रहा है। ये अभी अलग-अलग चरणों में हैं।

21वीं सदी में मजबूत नौसेना की ओर बढ़ रहा है भारत

जानकारी के अनुसार हिमगिरि को जुलाई के अंत तक, दुनागिरि को अगले साल की शुरुआत में और विंध्यगिरि को अगस्त 2026 में नौसेना को सौंपे जाने की उम्मीद है। 15 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन स्वदेशी युद्ध प्लेटफार्मों को देश को समर्पित किया था। इनमें आईएनएस नीलगिरी भी शामिल था। विध्वंसक जहाज आईएनएस सूरत के अलावा वाग्शीर और अंतिम कलवारी-क्लास पनडुब्बी भी उसी दिन शामिल की गईं। वाग्शीर को भी हाल में बनाया गया है।

संपादकीय

ब्रिक्स सम्मेलन से आतंकवाद को लेकर मोदी का संदेश

ब्राजील में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में इस समूह के महत्त्व समेत कई अहम मसलों पर चर्चा की गई, जिनमें से एक प्रमुख मुद्दा आतंकवाद का था। इस मौके पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अनुपस्थित रहे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी सम्मेलन में आभासी माध्यम से ही शामिल हुए। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सम्मेलन में मौजूदगी को एक महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश दिया और कहा कि आतंक के पीड़ितों और समर्थकों को एक ही तराजू पर नहीं तौला जा सकता। आतंकियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में किसी भी देश को हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए।

ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी को न केवल पाकिस्तान, बल्कि चीन के लिए भी एक नसीहत के रूप देखा जा रहा है। पाकिस्तान जहां आतंकवाद को खाद-पानी देता है, वहीं चीन ने हाल के वर्षों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कई पाकिस्तानी आतंकियों को सूचीबद्ध करने के प्रयासों को अवरुद्ध किया है। इससे इन दोनों देशों की कथनी और करनी में अंतर साफ नजर आता है। पाकिस्तान दुनिया को यह दिखाने का प्रयास करता है कि वह खुद आतंकवाद से पीड़ित है, मगर दूसरी ओर वह आतंकियों को प्रशिक्षित कर उन्हें भारत के खिलाफ हथियार की तरह इस्तेमाल करता है।

ब्रिक्स हाल के वर्षों में एक प्रभावशाली समूह के रूप में उभरा है। इसमें भारत, चीन व रूस समेत दुनिया की ग्यारह प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले देश शामिल हैं। ब्रिक्स देश एक 'बहुध्रुवीय विश्व' के लिए जोर दे रहे हैं, जहां शक्ति अधिक बंटी हुई हो। ऐसे में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का ब्रिक्स सम्मेलन से अनुपस्थित रहना चौंकाने वाला है। जिनपिंग के सत्ता संभालने के बाद यह पहली बार है कि वे इस सम्मेलन से दूर रहे। वह भी तब, जब वे ब्रिक्स समूह को अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी गुट के खिलाफ एक आर्थिक विकल्प के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं।

भू-राजनीतिक मामलों के लिहाज से देखें तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि ब्रिक्स के हालिया विस्तार ने चीन के लिए इसके वैचारिक मूल्य को कम कर दिया है। इसका एक कारण यह भी माना जा रहा है कि चीन, अमेरिका के साथ व्यापार संघर्ष के कारण घरेलू आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है और जिनपिंग इन दिनों घरेलू अर्थव्यवस्था को दिशा देने में उलझे हुए हैं।

बहरहाल, ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद के अलावा, मानवीय मूल्यों पर आधारित कृत्रिम मेधा, अमेरिकी शुल्क, मानवता के विकास के लिए शांतिपूर्ण व सुरक्षित वातावरण के मसले पर भी चर्चा हुई। इसमें दोराय नहीं कि ब्रिक्स देशों को अपनी साझा चुनौतियों का सामना करने के लिए एकजुट होकर सामूहिक प्रयास करने होंगे।

ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया से लेकर यूरोप तक आज दुनिया विवादों और संघर्षों से जूझ रही है, ब्रिक्स जैसे समूहों की प्रासंगिकता और भी अहम हो जाती है। मगर, वैश्विक मंच पर गंभीरता से लिए जाने के लिए ब्रिक्स को पहले अपने आंतरिक ढांचे और प्रणालियों को सुदृढ़ करना होगा। कथनी और करनी के बीच अंतर खत्म करना होगा। साथ ही ब्रिक्स देशों को एकजुट होकर उन प्रयासों का पुरजोर समर्थन करना होगा, जो दुनिया को आतंकवाद, विभाजन व संघर्ष से दूर और संवाद, सहयोग व समन्वय की ओर ले जाए।

इंग्लैंड को हराना भारतीय टीम के हौसले की जीत

यह एक ऐसा क्रिकेट मैच था, जिसमें कीर्तिमानों की झड़ी लग गई। विदेशी सरजमीं पर भारतीय टीम की जीत सचमुच ऐतिहासिक है, क्योंकि इससे पहले भारत ने यहां कभी कोई टेस्ट मैच नहीं जीता था। मगर भारत के नए और युवा खिलाड़ियों की टीम की असीम ऊर्जा के आगे इंग्लैंड बुरी तरह लड़खड़ा गया। उत्साह से लबालब खिलाड़ियों ने शानदार बल्लेबाजी कर जिस तरह एक तरह से बर्मिंघम का तिलिस्म तोड़ा है, उसे मेजबान देश हमेशा याद रखेगा। यह कप्तान शुभमन गिल और उनकी टीम के कौशल का ही परिणाम था कि भारत ने इंग्लैंड को 336 रनों से हरा कर एजबेस्टन में जीत का झंडा लहरा दिया। इस दौरान हर भारतीय खिलाड़ी का प्रदर्शन देखने लायक था। शुभमन ने जहां एक पारी में 269 तो दूसरी पारी में 161 रन बनाए। उनका यह प्रदर्शन इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि वे विदेश में छब्बीस वर्ष से भी कम उम्र में टेस्ट मैच जीतने वाली टीम के सबसे युवा भारतीय कप्तान बन गए हैं। इससे पहले सुनील गावस्कर ने सबसे कम उम्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज की थी। शुभमन दसवें ऐसे बल्लेबाज भी बन गए हैं, जिन्होंने एक ही टेस्ट मैच में दोहरा शतक जड़ा है। एक कीर्तिमान यह भी बना कि एजबेस्टन में भारत की पहली बार जीत हुई। इससे पहले यहां नौ मुकाबलों में उसे आठ में हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा, यहां जीत हासिल करने वाली यह पहली एशियाई टीम भी बन गई है। रनों के मामले में भी विदेशी धरती पर भारत ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलते हुए भारत ने 318 रन बना कर जीत को अपने खाते में डाला था। दूसरी ओर गेंदबाज आकाश दीप ने दस विकेट झटक कर भारतीय क्रिकेट की तस्वीर को और भी चमकदार और सुनहरा बना दिया है। दरअसल, बर्मिंघम में शानदार विजय से साबित हो गया कि हमारे पास अब एक समर्थ टीम है। आमतौर पर विदेशी धरती पर पिच की प्रकृति के मुताबिक ही खिलाड़ियों के बल्ले और गेंद का रुख, फिर उसी से जीत-हार की दिशा भी तय होती है। मगर एजबेस्टन में भारतीय टीम ने दिखाया कि दमखम के साथ-साथ पिच से तालमेल बिठा कर कैसे अपने पांव टिकाए जाते हैं और दांव जीता जाता है।

आज का कार्टून

अपनी पहचान जाहिर करने में कैसी शर्म !

डॉ. आशीष वशिष्ठ

> पिछले साल कांवड़ यात्रा के समय जब नेम प्लेट लगाने के आदेश जारी हुए थे, तो खूब हंगामा मचा था। उस समय सोशल मीडिया से लेकर अखबारों और समाचार चैनलों तक में इस बात की बड़ी चर्चा थी कि कैसे एक आदेश के चलते रातों रात मुजफ्फरनगर का संगम शुद्ध शाकाहारी होटल बन गया सलीम ढाबा। मां भवानी जूस कार्नर का नाम हो गया फहीम जूस केंद्र। टी प्वाइंट का नाम हो गया अहमद टी स्टाल। ऐसे ही नीलम स्वीट्स का मालिक निकला मोहम्मद फजल अहमद। अनमोल कोल्ड ड्रिंक्स का मालिक है मोहम्मद कमर आलम। खतौली के चीतल ग्रैंड के बाहर एक बोर्ड लग गया है, जिस पर लिखा गया है- शारिक राणा डायरेक्टर। सहारनपुर में चल रहे जनता वैष्णो ढाबा का मालिक है मोहम्मद अनस सिद्दीकी। मुजफ्फरनगर के बझेड़ी गांव निवासी वसीम अहमद ने पिछले साल पहचान जाहिर होने के बाद अपना गणपति ढाबा बेच दिया।

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन की शुरूआत 11 जुलाई से है। सावन की शुरुआत के साथ ही कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हो जाएगा। कांवड़ यात्रा में शिवभक्त नंगे पांव हाथ में कांवड़ लेकर लंबी दूरी तय करके शिवलिंग या ज्योतिर्लिंग में जाते हैं और पवित्र नदियों के जल से उनका अभिषेक करते हैं।

उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर कांवड़ यात्रा निकालने की परंपरा है। कांवड़ यात्रा का विराट रूप पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिखता है। हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकलने वाले कांवड़ यात्री इस मार्ग से निकलते हैं। इस मार्ग में भगवान शिव के कई बड़े प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर हैं। यहां पर श्रद्धालु भगवान का जलाभिषेक करते हैं। मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ से लेकर गाजियाबाद, हापुड़ तक के शिव मंदिरों में इस मार्ग से गंगाजल लेकर भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर तनाव बढ़ गया है।

असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना है कि कांवड़ मार्ग पर कुछ लोग हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर ढाबे और दुकानें चलाकर शिव भक्तों को धोखा दे रहे हैं। पहचान छुपाकर धोखा देने वाले कई मामले सामने आने के बाद पिछले साल उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों ने आदेश जारी किए कि कांवड़-यात्रा के मार्ग के ढाबे, होटल, रेस्तरां, दुकानदार, खोमचेवाले स्पष्ट नाम पट्टिका लगाएंगे। सरकार का मंतव्य है कि कांवड़ियों की आस्था और श्रद्धा खंडित न हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश इस पर रोक लगा दी थी। हालांकि, इस साल भी उप्र और उत्तराखंड की सरकारों ने पिछले साल की भांति आदेश जारी किए हैं।

ताजा प्रकरण यह है कि, स्वामी यशवीर महाराज और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता कांवड़ मार्ग स्थित दिल्ली-दून हाईवे स्थित पंडित वैष्णो ढाबा पर पहुंचे। वास्तव में, ढाबा मुस्लिम का था, लेकिन बोर्ड पर लिखा था-'पंडित का शुद्ध वैष्णो ढाबा।' यानी पहचान छिपाने का अपराध किया गया था। पंडित वैष्णो ढाबे को सनव्वर नाम का एक मुस्लिम व्यक्ति चलाता है। इस ढाबे में उसका बेटा आदिल और जुबैर समेत दो अन्य लोग भी काम करते हैं।

कहा जा रहा है कि यशवीर महाराज और अन्य ने ढाबे के मालिक और कर्मचारियों की धार्मिक पहचान जांचने के लिए पैंट उतरवाई। विवाद यहीं से भड़का। आग में घी डालते हुए समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने पहचान वाले मामले को पहलगाम आतंकी हमले से जोड़ने का काम किया। हसन ने कहा कि, मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आम नागरिकों को अधिकार है कि वह किसी दुकानदार की पैंट उतरवाकर चेक कर सकते हैं? क्या पहलगाम में आतंकियों ने पैंट नहीं उतरवाई थी? ऐसा करने वाले और पहलगाम के आतंकवादियों में क्या अंतर रह गया?

उस ढाबे पर यह घटना हुई अथवा नहीं, पुलिस इसकी जांच कर रही है। लेकिन प्रकरण को 'सांप्रदायिक मोड़' दे दिया गया। पहलगाम एक सुनियोजित आतंकी कृत्य था। इन दोनों घटनाओं की तुलना करना न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यह समाज में धार्मिक आधार पर तनाव पैदा करने का प्रयास भी है।

और जहां तक बात पहचान छुपाने या धोखा देने की है तो यह धंधा लंबे समय से चल रहा है। जुलाई, 2021 में गाजियाबाद में दो ऐसे मुसलमान दुकानदारों का पता चला था, जो हिंदू नाम से दुकान चला रहे थे। इनमें एक दुकान पुरानी सब्जी मंडी में है, जिसका नाम है न्यू अग्रवाल पनीर भंडार। इस दुकान का मालिक है मंजूर अली। दूसरी दुकान लालाजी पनीर भंडार के नाम से है। इसका मालिक ताहिर हुसैन है। इन दोनों का कहना था कि हिंदू नाम रखने से ग्राहक कम पूछताछ करते हैं और धंधा अच्छा चलता है। यानी ये धंधे के लिए हिंदुओं के साथ धोखा कर रहे थे। इनकी पोल तब खुली जब कुछ लोगों को पता चला कि इनका जीएसटी नंबर इनके असली नाम से है। स्थानीय दुकानदारों ने इनका विरोध किया तो इन लोगों ने अपनी दुकानों के नाम बदल लिए हैं।

पिछले साल कांवड़ यात्रा के समय जब नेम प्लेट लगाने के आदेश जारी हुए थे, तो खूब हंगामा मचा था। उस समय सोशल मीडिया से लेकर अखबारों और समाचार चैनलों तक में इस बात की बड़ी चर्चा थी कि कैसे एक आदेश के चलते रातों रात मुजफ्फरनगर का संगम शुद्ध शाकाहारी होटल बन गया सलीम ढाबा। मां भवानी जूस कार्नर का नाम हो गया फहीम जूस केंद्र। टी प्वाइंट का नाम हो गया अहमद टी स्टाल। ऐसे ही नीलम स्वीट्स का मालिक निकला मोहम्मद फजल अहमद। अनमोल कोल्ड ड्रिंक्स का मालिक है मोहम्मद कमर आलम। खतौली के चीतल ग्रैंड के बाहर एक बोर्ड लग गया है, जिस पर लिखा गया है- शारिक राणा डायरेक्टर। सहारनपुर में चल रहे जनता वैष्णो ढाबा का मालिक है मोहम्मद अनस सिद्दीकी। मुजफ्फरनगर के बझेड़ी गांव निवासी वसीम अहमद ने पिछले साल पहचान जाहिर होने के बाद अपना गणपति ढाबा बेच दिया।

एक रिपोर्ट के अनुसार देहरादून-नैनीताल राजमार्ग पर 20 से अधिक ढाबे ऐसे हैं, जो हिन्दू देवी-देवताओं के नाम पर हैं, लेकिन इन्हें चलाने वाले मुसलमान हैं। हरिद्वार नजीबाबाद रोड पर चिड़ियापुर और समीरपुर गंग नहर रोड पर भी ऐसे हिंदू नामधारी ढाबे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मेरठ, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, मुंडा पांडे हाईवे पर भी दर्जनों ऐसे ढाबे चल रहे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, धोखा देने के लिए ये लोग होटल के अंदर हिंदू देवी-देवताओं के चित्र भी रखते हैं, ताकि हिंदू यात्रियों को लगे कि वे किसी हिंदू होटल में ही खाना खा रहे हैं। लेकिन जब कोई ग्राहक ऑनलाइन पैसा देता है, तब पता चलता है मालिक मुसलमान है। इन ढाबों और होटलों में काम करने वाले लोगों के नाम राजू, विक्की, गुड्डू, सोनू जैसे होते हैं। ये लोग तिलक भी लगाते हैं और कलावा भी बांधते हैं। यह धोखा नहीं तो क्या है? मुजफ्फरनगर के पंडित वैष्णो ढाबे पर काम करने वाले तजमुल ने खुद को गोपाल बताया था। हरिद्वार में गुप्ता चाट भंडार में स्कैनर से पेमेंट गुलफाम नाम के अकाउंट में जाने का मामला बीते दिनों प्रकाश में आया है।

अहम सवाल यह है कि पहचान छुपाकर व्यापार करने के पीछे कोई मजबूरी है या षडयंत्र? मुस्लिम व्यक्ति को अपने नाम से दुकान या ढाबा खोलने में क्या दिक्कत है? अपने-अपने धर्म के हिसाब से नाम लिखकर लोग दुकान खोलेंगे या व्यापार करेंगे तो ग्राहक अपनी मर्जी से दुकान पर जाएगा और जिसे जहां से जो खरीदना होगा, वो वहां से खरीदेगा। लेकिन पहचान छुपाकर व्यापार या कोई अन्य कार्य करना कानून और नैतिक तौर पर गलत और अपराध है। ऐसी घटनाएं और प्रकरण प्रकाश में आने के बाद संदेह और अविश्वास का माहौल बनता है। जो सामाजिक, राजनीतिक और कानून व्यवस्था के मोर्चे पर दिक्कतें पैदा करता है।

बात जब खाने पीने की हो तो मामला गंभीर और संवेदनशील हो जाता है। खानपान के पीछे व्यक्तिगत रूचि, संस्कार, धर्म-कर्म और आस्था की पृष्ठभूमि और भूमिका होती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि शासन-प्रशासन के नेम प्लेट के आदेश से किसी की भावनाएं आहत नहीं होतीं। खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 में स्पष्ट प्रावधान है कि खानपान के दुकानदारों को अपना फूड लाइसेंस ऐसी जगह लगाना होगा, जहां आसानी से उसे देखा जा सके। वैसे भी ये मसला हिंदू-मुस्लिम, धार्मिक भेदभाव या किसी की आजीविका की बजाय सीधे तौर भावनाओं और ग्राहक के अधिकार से जुड़ा है। जो करोड़ों की संख्या में कांवड़िए हरिद्वार से गंगा जल लेकर अपने गंतव्य की ओर जाते हैं, उन सबको रास्ते में भोजन कैसा मिले? कैसा भोजन वो खाएं? ये उनकी स्वतंत्रता है। जब मुसलमान हलाल प्रमाणपत्र देखकर ही कोई सामान खरीदता है, तब हिंदू भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता है!

क्या रूस की तरह भारत भी देगा तालिबान सरकार को मान्यता?

> जब रूस तालिबान को मान्यता दे चुका है और चीन पहले ही तालिबान के साथ गहरे कारोबारी और राजनीतिक रिश्ते बना रहा है, ऐसे में जानकार मानते हैं कि भारत के सामने दो विकल्प हैं। या तो वह इसी 'एंगेज विदाउट रिकग्निशन' की नीति को कुछ समय और जारी रखे, या फिर धीरे-धीरे औपचारिक मान्यता की तरफ बढ़े। जेएनयू के स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज की पूर्व डीन अनुराधा चिनाय कहती हैं कि भारत का अफगानिस्तान से कभी भी हितों का टकराव नहीं रहा। भारत ने अफगानिस्तान को कई विकास योजनाओं में मदद दी है। तालिबान शासन भी भारत को लेकर अपेक्षाकृत नरम रहा है। दोनों देशों में एक सकारात्मक छवि बनी रहती है।

जेएनयू के स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज की पूर्व डीन अनुराधा चिनाय कहती हैं कि भारत का अफगानिस्तान से कभी भी हितों का टकराव नहीं रहा। भारत ने अफगानिस्तान को कई विकास योजनाओं में मदद दी है। तालिबान शासन भी भारत को लेकर अपेक्षाकृत नरम रहा है। रूस अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता देने वाला पहला देश बन गया है। करीब चार साल पहले जब तालिबान ने काबुल पर कब्जा किया और सत्ता में आए, तब से अब तक यह उनकी सबसे बड़ी कूटनीतिक सफलता मानी जा रही है। अफगानिस्तान के कार्यकारी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है रूस का ये कदम बाकी देशों के लिए मिसाल बनेगा, जो अब तक तालिबान की सरकार को मान्यता देने से बचते आ रहे थे। उन्होंने रूस के फैसले को 'साहसी कदम' बताया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह इस फैसले से 'ऊर्जा, परिवहन, कृषि और बुनियादी ढांचे में व्यापारिक और आर्थिक' सहयोग की संभावना देखता है। अब देखने होगा कि रूस के इस फैसले से भारत समेत अन्य देशों का तालिबान सरकार के प्रति क्या रुख रहता है। क्या ये देश भी उसे मान्यता देंगे। हालांकि, इस फैसले की कई लोगों ने आलोचना भी की है।

अफगानिस्तान की पूर्व सांसद फौजिया कूफी ने कहा, ऐसे कदम सिर्फ अफगानिस्तान के लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की सुरक्षा को भी खतरे में डाल सकते हैं। वहीं, अफगान वीमेन पॉलिटिकल पार्टिसिपेशन नेटवर्क ने कहा कि इससे ऐसी सत्ता को मान्यता मिलती है जो तानाशाही शासन चला रही है। महिलाओं के खिलाफ है और बुनियादी नागरिक अधिकारों को लगातार खत्म कर रही है।

अभी तक तालिबान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग-थलग माना जाता था, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि रूस के इस कदम ने अब तक बनी वैश्विक सहमति में दरार डाल दी है। अब तक ऐसा माना जाता था कि तालिबान को औपचारिक मान्यता दिए बिना भी सीमित बातचीत करके अपने हित साधे जा सकते हैं, लेकिन रूस ने सीधे मान्यता देकर इस सोच को चुनौती दे दी है। वाशिंगटन स्थित थिंक-टैंक विल्सन सेंटर में दक्षिण एशिया मामलों के विशेषज्ञ माइकल कुगेलमैन एक्स पर लिखते हैं, अगला नंबर चीन का हो सकता है। अब तक दुनिया में एक आम सहमति थी कि देश अपने हितों के लिए तालिबान से बात तो कर सकते हैं, लेकिन औपचारिक रिश्ता बनाने की जरूरत नहीं है। लगता है अब ये सहमति टूटने लगी है। चीन ने रूस के फैसले का स्वागत किया है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा है, अफगानिस्तान हमारा पारंपरिक मित्र और पड़ोसी है। चीन हमेशा मानता रहा है कि अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अलग नहीं किया जाना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों की विशेषज्ञ स्वस्ति राव कहती हैं कि भारत ने तालिबान को फिलहाल औपचारिक मान्यता नहीं दी है। उन्होंने कहा, भारत की पूरी दुनिया में हमेशा से यही शैली रही है, तो वह अचानक कैसे तालिबान को मान्यता दे देगा? भारत ऐसा नहीं करेगा, क्योंकि भारत अमेरिका और यूरोपियन यूनियन से भी अपने रिश्ते बनाए रखना चाहता है। भारत की इस सतर्कता के पीछे पश्चिमी देशों के साथ उसके व्यापक व्यापारिक और कूटनीतिक हित भी हैं।

उन्होंने कहा, भारत थोड़ा हिचकता है क्योंकि वह चाहता है कि अमेरिका और यूरोप के साथ उसके रिश्ते बने रहें। भले ही भारत ने तालिबान को औपचारिक मान्यता नहीं दी, लेकिन उसने अफगानिस्तान के साथ 'एंगेज विदाउट रिकग्निशन' (यानी औपचारिक मान्यता दिए बिना संपर्क बनाए रखना) की पालिसी जारी रखी है।

इसी साल मई में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अफगानिस्तान के कार्यकारी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी से फोन पर बात की थी। यह पहली बार था कि भारत के विदेश मंत्री ने तालिबान के विदेश मंत्री से बातचीत की और सार्वजनिक तौर पर बयान जारी किया। दरअसल, भारत काबुल में एक समावेशी सरकार के गठन की वकालत करता रहा है। हाल के महीनों में भारत और तालिबान के बीच संपर्क बढ़ा है। जनवरी में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने दुबई में अमीर खान मुत्ताकी से मुलाकात की थी।

अगस्त 2021 में जब अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान ने दोबारा कब्जा किया था, उस वक्त इसे भारत के लिए कूटनीतिक और रणनीतिक झटके के रूप में देखा गया था। ऐसा लग रहा था कि भारत ने अफगानिस्तान में जो अरबों डालर के निवेश किए हैं, उन पर पानी फिर जाएगा। भारत ने अफगानिस्तान में 500 से अधिक परियोजनाओं पर करीब तीन अरब डालर का निवेश किया है, जिनमें सड़कें, बिजली, बांध और अस्पताल तक शामिल हैं।

जब रूस तालिबान को मान्यता दे चुका है और चीन पहले ही तालिबान के साथ गहरे कारोबारी और राजनीतिक रिश्ते बना रहा है, ऐसे में जानकार मानते हैं कि भारत के सामने दो विकल्प हैं। या तो वह इसी 'एंगेज विदाउट रिकग्निशन' की नीति को कुछ समय और जारी रखे, या फिर धीरे-धीरे औपचारिक मान्यता की तरफ बढ़े। जेएनयू के स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज की पूर्व डीन अनुराधा चिनाय कहती हैं कि भारत का अफगानिस्तान से कभी भी हितों का टकराव नहीं रहा। भारत ने अफगानिस्तान को कई विकास योजनाओं में मदद दी है। तालिबान शासन भी भारत को लेकर अपेक्षाकृत नरम रहा है। दोनों देशों में एक सकारात्मक छवि बनी रहती है। कुल मिलाकर अफगानिस्तान कूटनीतिक, सुरक्षा और आर्थिक, तीनों ही नजरिए से भारत के लिए अहम है।

गुरु साक्षात परब्रम्ह...

शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात दो अक्षरों से मिलकर बने गुरु शब्द का अर्थ - प्रथम अक्षर गु का अर्थ- अंधकार होता है जबकि दूसरे अक्षर रु का अर्थ- उसको हटाने वाला होता है। अर्थात् अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है। गुरु वह है जो अज्ञान का निराकरण करता है अथवा गुरु वह है जो धर्म का मार्ग दिखाता है। श्री सद्गुरु आत्म-ज्योति पर पड़े हुए विधान को हटा देता है। ओशो कहते है गुरु के बारे में कि गुरु का अर्थ है- ऐसी मुक्त हो गई चेतनाएं, जो ठीक बुद्ध और कृष्ण जैसी हैं, लेकिन तुम्हारी जगह खड़ी हैं, तुम्हारे पास हैं। कुछ थोड़ा-सा ऋण उनका बाकी है- शरीर का, उसके चुकने की प्रतीक्षा है। बहुत थोड़ा समय है। ...गुरु एक पैराडॉक्स है, एक विरोधाभास है - वह तुम्हारे बीच और तुमसे बहुत दूर, वह तुम जैसा और तुम जैसा बिलकुल नहीं, वह कारागृह में और परम स्वतंत्र।

अगर तुम्हारे पास थोड़ी सी भी समझ हो तो इन थोड़े क्षणों का तुम उपयोग कर लेना, क्योंकि थोड़ी देर और है वह, फिर तुम लाख चिल्लाओगे सदियों-सदियों तक, तो भी तुम उसका उपयोग न कर सकोगे। रामाश्रयी धारा के प्रतिनिधि गोस्वामीजी वाल्मीकि से राम के प्रति कहलवाते हैं कि-

तुम तें अधिक गुरहिं जिय जानी।

राम आप तो उस हृदय में वास करें- जहां आपसे भी गुरु के प्रति अधिक श्रद्धा हो। लीलारस के रसिक भी मानते हैं कि उसका दाता सद्गुरु ही है- श्रीकृष्ण तो दान में मिले हैं। सद्गुरु लोक कल्याण के लिए मही पर नित्यावतार है- अन्य अवतार नैमित्तिक हैं। संत जन कहते हैं-

राम कृष्ण सबसे बड़ा उनहूं तो गुरु कीन्ह।
तीन लोक के वे धनी गुरु आज्ञा आधीन॥

गुरु तत्व की प्रशंसा तो सभी शास्त्रों ने की है। ईश्वर के अस्तित्व में मतभेद हो सकता है, किन्तु गुरु के लिए कोई मतभेद आज तक उत्पन्न नहीं हो सका। गुरु को सभी ने माना है। प्रत्येक गुरु ने दूसरे गुरुओं को आदर-प्रशंसा एवं पूजा सहित पूर्ण सम्मान दिया है ।भारत के बहुत से संप्रदाय तो केवल गुरुवाणी के आधार पर ही कायम हैं।

गुरु ने जो नियम बताए हैं उन नियमों पर श्रद्धा से चलना उस संप्रदाय के शिष्य का परम कर्तव्य है। गुरु का कार्य नैतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक समस्याओं को हल करना भी है। राजा दशरथ के दरबार में गुरु वशिष्ठ से भला कौन परिचित नहीं है, जिनकी सलाह के बगैर दरबार का कोई भी कार्य नहीं होता था। गुरु की भूमिका भारत में केवल आध्यात्म या धार्मिकता तक ही सीमित नहीं रही है, देश पर राजनीतिक विपदा आने पर गुरु ने देश को उचित सलाह देकर विपदा से उबारा भी है। अर्थात् अनादिकाल से गुरु ने शिष्य का हर क्षेत्र में व्यापक एवं समग्रता से मार्गदर्शन किया है। अतः सद्गुरु की ऐसी महिमा के कारण उसका व्यक्तित्व माता-पिता से भी ऊपर है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक के अनुसार-

यस्य देवे परा भक्तिर्यथा देवे तथा गुरु

अर्थात् जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

अपनी महत्ता के कारण गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा पद दिया गया है। शास्त्र वाक्य में ही गुरु को ही ईश्वर के विभिन्न रूपों- ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश्वर के रूप में

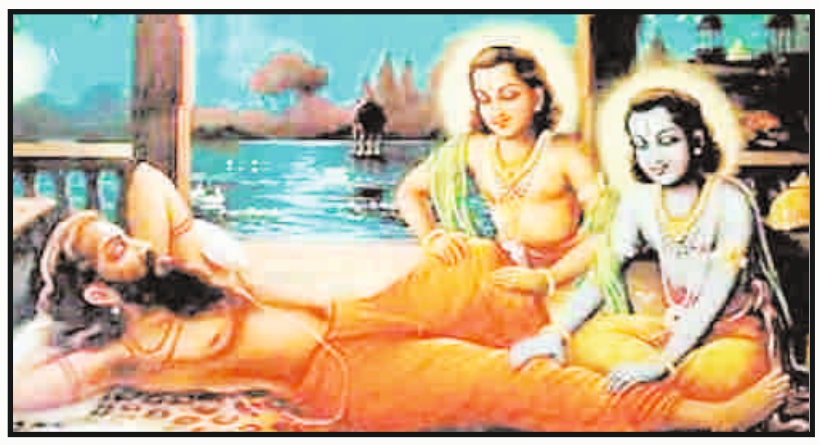

स्वीकार किया गया है। गुरु को ब्रह्मा कहा गया क्योंकि वह शिष्य को बनाता है नव जन्म देता है। गुरु, विष्णु भी है क्योंकि वह शिष्य की रक्षा करता है। गुरु, साक्षात महेश्वर भी है क्योंकि वह शिष्य के सभी दोषों का संहार भी करता है। संत कबीर कहते हैं-

हरि रूठे गुरु ठौर है, गुरु रूठे नहिं ठौर॥

अर्थात् भगवान के रूठने पर तो गुरु की शरण रक्षा कर सकती है किंतु गुरु के रूठने पर कहीं भी शरण मिलना संभव नहीं है। जिसे ब्राह्मणों ने आचार्य, बौद्धों ने कल्याणमित्र, जैनों ने तीर्थंकर और मुनि, नाथों तथा वैष्णव संतों और बौद्ध सिद्धों ने उपास्य सद्गुरु कहा है उस श्री गुरु से उपनिषद् की तीनों अग्नियां भी थर-थर कांपती हैं। त्रैलोक्यपति भी गुरु का गुणगान करते है। ऐसे गुरु के रूठने पर कहीं भी ठौर नहीं। अपने दूसरे दोहे में कबीरदास जी कहते है-

सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपकार लोचन अनंत, अनंत दिखावण हार।

अर्थात् सद्गुरु की महिमा अपरंपार है। उन्होंने शिष्य पर अनंत उपकार किए है। उसने विषय-वासनाओं से बंद शिष्य की बंद आंखों को ज्ञान चक्षु द्वारा खोलकर उसे शांत ही नहीं अनंत तत्व ब्रह्म का दर्शन भी कराया है। आगे इसी प्रसंग में वे लिखते है।

भली भई जुगुरु मिल्या, नहीं तर होती हांणि।
दीपक दिष्टि पतंग ज्यूं, पड़ता पूरी जांणि।

अर्थात् अच्छा हुआ कि सद्गुरु मिल गए, वरना बड़ा अहित होता। जैसे सामान्यजन पतंगे के समान माया की चमक-दमक में पड़कर नष्ट हो जाते हैं वैसे ही मेरा भी नाश हो जाता। जैसे पतंगा दीपक को पूर्ण समझ लेता है, सामान्यजन माया को पूर्ण समझकर उस पर अपने आपको न्यौछावर कर देते हैं। वैसी ही दशा मेरी भी होती। अतः सद्गुरु की महिमा तो ब्रह्मा, विष्णु और महेश भी गाते है, मुझ मनुष्य की बिसात क्या?

दुनिया के समस्त गुरुओं को मेरा नमन।

आदिगुरू की रात है गुरु पूर्णिमा की रात

गुरु पूर्णिमा की यह रात हमारे प्रथम गुरु, आदिगुरु की रात के रूप में जानी जाती है। मानव इतिहास में पहली बार आज के ही दिन मानव जाति को याद दिलाया गया था कि उनका जीवन पहले से तय नहीं हैं। अगर मेहनत करना चाहे तो अस्तित्व का हर दरवाजा इंसान के लिए खुला है। ज़रूरी नहीं कि इंसान साधारण-से कुदरती नियमों के दायरे में बंद रहे। सीमाओं का बंधन इंसान की सबसे बड़ी तकलीफ है। हिंदुस्तान और कुछ हद तक अमेरिका में हम जेलों में बंदियों के लिए प्रोग्राम करते रहे हैं और हर बार जेल के अंदर घुसते ही मुझे वहां की हवा में दर्द का अहसास हुआ है। ऐसा अहसास जिसका मैं कभी बयान नहीं कर सकता। मैं बहुत भावुक किस्म का इंसान नहीं हूं लेकिन ऐसा एक बार भी नहीं हुआ कि वहाँ जाकर मेरी आंखों में आंसू न उमड़े हों क्योंकि वहां की हवा में बेइंतहा दर्द है। यह सीमाओं में बंद रहने का दर्द है।

क्या थी आदियोगी की शिक्षा?

वे दार्शनिक सिद्धांतों का बखान नहीं कर रहे थे और न ही कोई धार्मिक कट्टरता सिखा रहे थे। वे एक वैज्ञानिक विधि की बात कर रहे थे जिसके जरिये आप उन सीमाओं को मिटा सकते हैं जो कुदरत ने इंसानी ज़िंदगी के लिए बनायी हैं।

हम जो भी सीमा रेखा खींचते हैं शुरू में उसका लक्ष्य होता है सुरक्षा, लेकिन आगे चल कर अपनी सुरक्षा और आत्मरक्षा की ये सीमाएं हमारे ही कैद की दीवार बन जाती हैं। इन सीमाओं का कोई एक रूप-रंग नहीं है; इन सीमाओं ने बहुत-से जटिल रूप ले लिये हैं। ये महज मनोवैज्ञानिक सीमाएं नहीं हैं बल्कि आपकी हिफाज़त और खुशहाली के लिए बनी कुदरती सीमाएं हैं। इंसान की प्रकृति ऐसी है कि उसको बंधन की सीमाओं के परे गए बिना उसे सच्ची खुशहाली का अहसास नहीं होता। इंसान की दशा अजीब है ङ्क मुसीबत में होने पर वह अपने चारों ओर किले की सुरक्षा चाहता है, लेकिन खतरा टलते ही चाहता है कि ये किले गिर जायें, ग़ायब हो जायें। अपनी हिफाज़त के लिए अपने ही द्वारा खड़े किये गये किले जब हमारे चाहने पर गिर कर गायब नहीं होते तब हम इनके अंदर बंदी जैसा महसूस करने लगते हैं और हमारा दम घुटने लगता है।

बंधन के इन किलों को अपने लक्ष्य के पाने में इस्तेमाल करना और ज़रूरत न होने पर इनको गिरा देने की काबिलियत रखना ङ्क यही शिव की शिक्षा थी। कैसे बनायें ऐसा जादुई किला जिसको कोई दुश्मन भेद न सके पर आप जब चाहें इस पार से उस पार आ-जा सकें? शिव ने बहुत-से आश्चर्यजनक तरीके बताये। बदकिस्मती से मुट्ठी-भर इंसान भी ऐसे नहीं हैं जो अपनी बंधनों की प्रकृति को समझने और उससे बाहर निकलने के तरीकों की खोज करने के लिए ज़रूरी एकाग्रता, धैर्य और दिलचस्पी रखते हों। लोग सोचते हैं कि नशीली दवाएं ले कर, सिगरेट पी कर, अच्छा खा कर या फिर अच्छी नींद ले कर इस बंदिश से छूट जायेंगे। सृष्टि के तरीके इतने सरल नहीं है। यह हिफाज़त का कितना अनोखा डिज़ाइन है! पर जो इंसान नहीं देख पाता कि यह अंदर और बाहर दोनों तरफ से बंधन है वह इसका मकसद नहीं जान पाता, क्योंकि वह कभी बाहर जा ही नहीं पाया है।

सप्त ऋषि भी सराहनीय हैं

गुरु पूर्णिमा का दिन इस बात का उत्सव मनाने के लिए है कि आज के ही दिन पहली बार मानव जाति के लिए ऐसी नयी सोच, ऐसा असाधारण काम शुरू हुआ। मैं आदियोगी के आगे उनकी महानता के लिए सिर झुकाता हूं पर आदियोगी की सराहना से ज़्यादा मेरी सराहना उन सात ऋषियों के लिए है जिन्होंने खुद को इतना ऊंचा उठाया कि आदियोगी उनको नज़र-अंदाज़ न कर सके। मुझे नहीं लगता कि किसी दूसरे गुरु को ऐसे सात लोग मिल पाये जिनके साथ वे हर मनचाही चीज़ साझा कर पाते और जो इतने काबिल होते कि उनकी बतायी हर चीज़ को ग्रहण कर पाते। अनेक योगियों और गुरुओं को बहुत अच्छे शिष्य मिले जिनके ऊपर उन्होंने अपनी कृपा बरसा कर उनको तृप्त किया। लेकिन किसी भी गुरु को वैसे सात शिष्य नहीं मिल पाये जिनके साथ वे अपना ज्ञान साझा कर पाते। ऐसा अब तक नहीं हुआ है.हम अब भी कोशिश कर रहे हैं।

गुरु पूर्णिमा के दिन शुरू हुआ था ज्ञान का प्रसार

आदियोगी ने लगभग 15,000 वर्ष पूर्व, पहले योग कार्यक्रम का आरंभ किया था। आदियोगी यानी 'पहला योगी'। उन्होंने कभी अपना परिचय देने की ज़रूरत नहीं समझी, न ही लोग उनका नाम जानते थे इसलिए वे उन्हें आदियोगी के नाम से पुकारने लगे। उन्होंने अपने पहले सात शिष्यों को उपेक्षित करने की पूरी कोशिश की। आज भारत, उन सातों शिष्यों को सप्तर्षियों के नाम से जानता है। ये वे सात ऋषि हैं, जिन्हें सारे आध्यात्मिक ज्ञान का आधार माना जाता है। उन्होंने ही इसका संप्रेषण किया। उन्होंने गुरु का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए बहुत प्रयास किए। गुरु ने अपनी ओर से उनकी पूरी उपेक्षा की। वे अपने योग से मिले परमानंद का उपभोग करना चाहते थे। वे उन्हें शिक्षा नहीं देना चाहते थे। वे नहीं चाहते थे कि कोई उनके आनंद में बाधा दे, पर ये ऋषि अनेक वर्षों तक अपने हठ पर अड़े रहे। परंपराओं से मिले ज्ञान के अनुसार, वे लगभग 84 वर्ष वहीं रहे। हम नहीं जानते, पर निश्चित रूप से वे लंबे समय तक उनके इंतज़ार में रहे।

गुरु पूर्णिमा की विशेषता

ज्ञान का संचरण अगली पूर्णिमा से आरंभ हुआ था, पर अब वह समय है, जब उन्होंने अपने सातों शिष्यों पर पूरा ध्यान दिया। यह वर्ष बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि एक बार फिर ग्रीष्म अयनांत और पूर्णिमा, एक ही दिन आ रहे हैं। यह एक दुर्लभ संयोग है। योग गाथाओं के अनुसार उन्होंने शिष्यों को 28 दिनों तक ध्यान से देखा। इसका अर्थ हुआ कि उस काल में उत्तरायण से दक्षिणायन का परिवर्तन पूर्णिमा के दिन हुआ था। इस साल भी ऐसा ही हुआ है। हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि इस वर्ष, हम सब एक साथ हैं। आपके शिक्षा तंत्र व आपकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमियाँ आपको भीतर की ओर मुड़ने के लिए कोई शिक्षा नहीं देतीं। वे सब आपको बाहरी तौर पर कुछ करना सिखा रही हैं ङ्क यह सब कुछ संसार को ठीक रखने के लिए है। हमने इस संसार को इतना ठीक कर दिया है कि अगर अब थोड़ा सा भी और प्रयास हुआ, तो यह संसार ही नहीं रहेगा। हमने इस संसार में जो कुछ भी प्रयत्न किए, वह मनुष्य के कल्याण के लिए थे। संसार तो ठीक हुआ पर हमें खुशहाली नहीं मिली। क्योंकि जब तक आप अपने भीतर नहीं झाँकेंगे, तब तक यह संभव नहीं हो सकता।

आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरुपूर्णिमा कहते हैं। इस दिन गुरुपूजा का विधान है। गुरुपूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरम्भ में आती है। इस दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु-सन्त एक ही स्थान पर रहकर ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से भी सर्वश्रेष्ठ होते हैं। न अधिक गर्मी और न अधिक सर्दी। इसलिए अध्ययन के लिए उपयुक्त माने गए हैं। जैसे सूर्य के ताप से तप्त भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है, वैसे ही गुरु-चरणों में उपस्थित साधकों को ज्ञान, शान्ति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। यह दिन महाभारत के रचयिता कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्मदिन भी है। वे संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे और उन्होंने चारों वेदों की भी रचना की थी। इस कारण उनका एक नाम वेद व्यास भी है। उन्हें आदिगुरु कहा जाता है और उनके सम्मान में गुरुपूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा नाम से भी जाना जाता है। भक्तिकाल के संत घीसादास का भी जन्म इसी दिन हुआ था वे कबीरदास के शिष्य थे। शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात दो अक्षरों से मिलकर बने गुरु शब्द का अर्थ - प्रथम अक्षर गु का अर्थ- अंधकार होता है जबकि दूसरे अक्षर रु का अर्थ- उसको हटाने वाला होता है। अर्थात् अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है।

क्या करें गुरु पूर्णिमा के दिन

भारत भर में गुरु पूर्णिमा पर्व बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जाता है। आषाढ़ के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को ही गुरु पूर्णिमा कहते हैं। इस दिन गुरु पूजा का विधान है। वैसे तो देश भर में एक से बड़े एक अनेक विद्वान हुए हैं, परंतु उनमें महर्षि वेद व्यास, जो चारों वेदों के प्रथम व्याख्याता थे, उनका पूजन आज के दिन किया जाता है। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करता था, तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु का पूजन करके उन्हें अपनी शक्ति, अपने सामर्थ्यानुसार दक्षिणा देकर कृतकृत्य होता था। हमें वेदों का ज्ञान देने वाले व्यासजी ही हैं, अतः वे हमारे आदिगुरु हुए। इसीलिए इस दिन को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। उनकी स्मृति हमारे मन मंदिर में हमेशा ताजा बनाए रखने के लिए हमें इस दिन अपने गुरुओं को व्यासजी का अंश मानकर उनकी पाद-पूजा करनी चाहिए तथा अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए गुरु का आशीर्वाद जरूर ग्रहण करना चाहिए। साथ ही केवल अपने गुरु-शिक्षक का ही नहीं, अपितु माता-पिता, बड़े भाई-बहन आदि की भी पूजा का विधान है।

क्या करें गुरु पूर्णिमा के दिन

- प्रातः घर की सफाई, स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर साफ-सुथरे वस्त्र धारण करके तैयार हो जाएं.
- घर के किसी पवित्र स्थान पर पटिए पर सफेद वस्त्र बिछाकर उस पर 12-12 रेखाएं बनाकर व्यास-पीठ बनाना चाहिए.
- फिर हमें गुरु परंपरा सिद्धयर्थं व्यासपूजां करिष्ये मंत्र से पूजा का संकल्प लेना चाहिए.
- तत्पश्चात दसों दिशाओं में अक्षत छोड़ना चाहिए.
- फिर व्यासजी, ब्रह्माजी, शुक देवजी, गोविंद स्वामीजी और शंकराचार्यजी के नाम, मंत्र से पूजा का आवाहन करना चाहिए.
- अब अपने गुरु अथवा उनके चित्र की पूजा करके उन्हें यथा योग्य दक्षिणा देना चाहिए.

गुरु पूर्णिमा पर यह भी है खास

- गुरु पूर्णिमा पर व्यासजी द्वारा रचे हुए ग्रंथों का अध्ययन-मनन करके उनके उपदेशों पर आचरण करना चाहिए.
- यह पर्व श्रद्धा से मनाना चाहिए, अंधविश्वास के आधार पर नहीं.
- इस दिन वस्त्र, फल, फूल व माला अर्पण कर गुरु को प्रसन्न कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए.
- गुरु का आशीर्वाद सभी-छोटे-बड़े तथा हर विद्यार्थी के लिए कल्याणकारी तथा ज्ञानवर्द्धक होता है.
- इस दिन केवल गुरु (शिक्षक) ही नहीं, अपितु माता-पिता, बड़े भाई-बहन आदि की भी पूजा का विधान है.

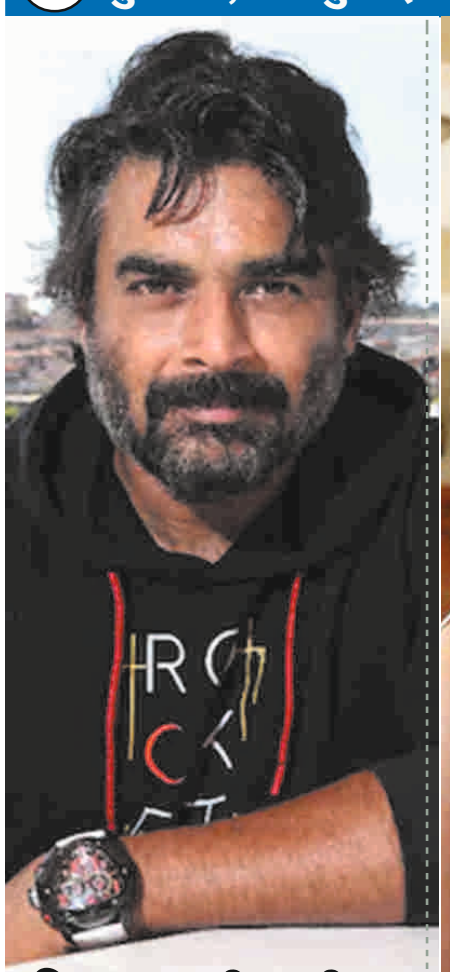

प्रियंका की तारीफ में आर माधवन ने किया पोस्ट

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इस समय अपनी एक्शन थ्रिलर फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट से सुर्खियों में हैं। इस फिल्म को भारत में अमेजन प्राइम पर दिखाया जा रहा है। फिल्म में शानदार एक्शन के लिए एक्ट्रेस की तारीफें हो रही हैं। अब इसी कड़ी में अभिनेता आर माधवन ने एक पोस्ट शेयर करके उन्हें बधाई दी है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

आर माधवन ने शेयर किया पोस्ट

बॉलीवुड अभिनेता आर माधवन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्होंने प्रियंका चोपड़ा की हॉलीवुड फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट का पोस्टर शेयर करते हुए नोट लिखा। अभिनेता ने कैप्शन में कहा, 'नई राह दिखाने और वह सब करने के लिए आप पर गर्व है, जिसका हम सपना देखते हैं। फिल्म में आपने बहुत शानदार काम किया है और आपने खुद को बहुत अच्छे से संभाला है। आपकी जीत व्यक्तिगत लगती है प्रियंका चोपड़ा।'

प्रियंका चोपड़ा ने दिया जवाब

आर माधवन की इस स्टोरी को अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर री-शेयर किया। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, धन्यवाद मेरे दोस्त। आपके प्रोत्साहन की वास्तव में मैं सराहना करती हूं।' इसके साथ अभिनेत्री ने लाल दिल वाला इमोजी और नमस्ते वाला रिएक्शन भी दिया। हेड्स ऑफ स्टेट में किया शानदार एक्शन हॉलीवुड फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट दुनियाभर में 2 जुलाई को रिलीज हो चुकी है। यह फिल्म भारत में अमेजन प्राइम वीडियो पर दिखाई जा रही है। फिल्म में अभिनेत्री का एक्शन देखने लायक है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के अलावा जॉन सीना, इदरीस एल्बा और जैक क्विड हैं।

तलाक के चार साल बाद इस डायरेक्टर संग रिश्ते को ऑफिशियल करेंगी सामंथा

साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों फिल्मों से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। पिछले काफी वक्त से एक्ट्रेस का नाम 'द फैमिली मैन' फेम डायरेक्टर राज निदिमोरु के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों एक-दूसरे के प्यार में हैं और अक्सर दोनों की एकसाथ तस्वीरें भी सामने आती रहती हैं। जिसके बाद दोनों के रिलेशनशिप को लेकर और भी पुष्टि होती है। हालांकि, राज की एक शादी हो चुकी है। फिलहाल अब उनके फैंस को इंतजार है कि सामंथा कब अपने रिश्ते को ऑफिशियल करती हैं। जल्द ही ऑफिशियल कर सकती हैं अपना रिश्ता नागा चैतन्य से तलाक के बाद अब सामंथा पूरी तरह से अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुकी हैं। राज निदिमोरु के साथ उनके रिलेशनशिप की खबरें अब अक्सर ही बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनती रहती हैं। बीते दिनों सामंथा की तस्वीर भी काफी चर्चा में रही थी जिसमें वो राज के काफी करीब दिख रही थीं। इस तस्वीर के सामने आने के बाद खबरें ये भी आई थीं कि सामंथा राज के साथ लिवइन में रहने वाली हैं। लेकिन बाद में सामंथा की टीम ने इन खबरों को खारिज किया था। लेकिन अक्सर सामंथा और राज एकसाथ नजर आते हैं। जिससे दोनों के अफेयर के अफेयर की चर्चाएं अब लगभग पक्की हो चुकी हैं। अब मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया जा रहा है कि इस साल के अंत तक सामंथा अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर सकते हैं। दोनों जल्द ही अपने इस रिश्ते को एक नाम भी दे सकते हैं। राज निदिमोरु की बात करें तो वो 'द फैमिली मैन' और 'गुलाब एंड गन्स' वाले राज और डीके की जोड़ी वाले राज हैं। राज निदिमोरू एक शादी कर चुके हैं। उन्होंने 2015 में श्यामली डे से शादी की थी। लेकिन शादी के सात साल बाद 2022 में दोनों एक-दूसरे से अलग हो गए। हालांकि, दोनों के तलाक को लेकर कोई कंफर्म जानकारी नहीं है। क्योंकि कुछ रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जाता है कि राज और श्यामली डे का तलाक हो चुका है, जबकि कुछ रिपोर्ट्स में उनके तलाक को लेकर कोई कंफर्म न्यूज नहीं है। राज एक मशहूर निर्देशक और लेखक हैं।

2021 में हुआ सामंथा और नागा का तलाक

सामंथा रुथ प्रभु ने भी साल 2017 में एक्टर नागा चैतन्य से शादी की थी। लेकिन चार साल बाद ही दोनों के रास्ते अलग हो गए और सामंथा और नागा का तलाक हो गया। 2021 में तलाक होने के अब चार साल बाद सामंथा अपने अगले रिलेशनशिप को नाम देने और ऑफिशिलय करने की सोच रही हैं। फिलहाल फैंस को इंतजार है कि कब सामंथा अपने रिश्ते को ऑफिशियल करती हैं।

अनगिनत समझौते, माफी और धैर्य, रुबीना दिलैक ने प्यार और शादी को लेकर किया पोस्ट

रुबीना दिलैक सोशल मीडिया पर अक्सर अपने दिलकश लुक शेयर कर सुर्खियां बटोरती हैं। फैंस उनके स्टाइल और फिटनेस के दीवाने हैं। इसके अलावा रुबीना कई बार जिंदगी के जुड़े मुद्दों पर भी बात करती दिखती हैं। अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने शादी, प्यार और कपल्स की आपसी समझ को लेकर एक पोस्ट शेयर किया है। रुबीना दिलैक ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। रूबीना ने लिखा है, जब आप देखते हैं कि वर्षों बाद भी एक कपल प्यार में है, तो यह किस्मत नहीं है। यह अनगिनत समझौते, क्षमा, धैर्य और एक-दूसरे को चुनना है।-हर एक दिन। प्यार किस्मत नहीं है। यह कोशिश है। समझ है और और दो दिलों का एक साथ बढ़ना है। इसके अलावा रुबीना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक अन्य पोस्ट भी शेयर किया है। इसमें वे लिखती हैं, ऊर्जा मेरी पहली भाषा है। मैं इसे शब्दों से भी अधिक समझती हूं।

लाफ्टर शेफ में नजर आ रही हैं रुबीना

वर्क फ्रंट की बात करें तो रुबीना कुकिंग रियलिटी शो लाफ्टर शेफ में नजर आ रही हैं। रुबीना दिलैक ने अपने अभिय करियर की शुरुआत शो छोटी बहू से की थी। वह बिग बॉस 14 की विजेता रहे चुकी हैं। निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने अभिनव शुक्ला से साल 2018 शादी रचाई। कपल की दो बेटियां हैं। रुबीना हिमाचल प्रदेश के शिमला से हैं। उनके पिता गोपाल दिलैक लेखक हैं।

आंखों की गुस्ताखियां का मेरा किरदार शोले की बसंती से प्रेरित

भाबीजी घर पर हैं फेम अभिनेता सानंद वर्मा की अपकमिंग फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। अभिनेता ने अपने किरदार के बारे में बताया कि इसे रचने में हेमा मालिनी के 'शोले' के किरदार बसंती से प्रेरणा मिली। इस फिल्म में सानंद का किरदार एक मजेदार और बातूनी ड्राइवर का है। सानंद ने अपने किरदार के बारे में बताया, अपकमिंग फिल्म में मेरे किरदार का नाम शौकी लाल है, जिसका नाम भी काफी मजेदार है। वह एक हंसमुख और बातूनी ड्राइवर है, जो बिल्कुल रुकता नहीं और लगातार बात करता है। यह किरदार 'शोले' की बसंती की याद दिलाता है, जो गाड़ी चलाते हुए लगातार बोलती थी, खूब बात करती थी। उन्होंने बताया कि शौकी लाल फिल्म की कहानी में कॉमेडी के साथ एनर्जी भी लाता है, फिल्म का एक खास हिस्सा है। सानंद ने शुरू में सोचा था कि उनका किरदार गुटखा चबाता हो, लेकिन सेट पर डायरेक्टर संतोष सिंह के सुझाव पर इसे हटा दिया गया। सानंद ने बताया, मेरा किरदार स्वाभाविक है, इसलिए ज्यादा तैयारी की जरूरत नहीं पड़ी। मैंने अपनी जिंदगी में कई बातूनी ड्राइवर देखे हैं और 'शोले' को 15 बार देखने के बाद बसंती मेरे लिए एक रेफरेंस बन गई। फिल्म के ड्राइविंग सीन्स उत्तराखंड की पहाड़ियों में खतरनाक मोड़ों पर शूट किए गए हैं। सानंद ने बताया, मैं 22 साल से गाड़ी चला रहा हूं, इसलिए यह मेरे लिए आसान और मजेदार था। यह रोमांटिक ड्रामा 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्मों में तीन साल तक नहीं मिला काम तो अहाना ने उठाया ये कदम

अभिनेत्री अहाना कुमरा को फिल्मों में एक्टिंग का काम नहीं मिला। ऐसे में उन्होंने पिछले साल फैसला किया कि वह प्रोडक्शन में कदम रखेंगी। उन्होंने कहा था कि उन्हें तीन वर्षों तक फिल्मों में बतौर एक्ट्रेस काम नहीं मिला। ऐसे में उन्होंने अपने सपनों को सच करने के बारे में सोचा। अब उन्होंने अपना नया काम शुरू कर दिया है।

अहाना ने शुरू किया नया काम

अहाना कुमरा ने अपने साथी कास्टिंग डायरेक्टर अपूर्व सिंह राठौर के साथ मिलकर एक प्रोडक्शन कंपनी शुरू की जो पांडा फिल्म्स के साथ काम करेगी। अहाना ने अपनी कंपनी के जरिए एक म्यूजिक वीडियो शूट करना शुरू कर दिया है। इस प्रोजेक्ट में वह अभिनय नहीं करेंगी बल्कि वह इसका प्रोडक्शन करेंगी।

अहाना के लिए काफी नहीं थे रोल

अहाना कुमरा के हवाले से लिखा प्रोड्यूसर हमें जो रोल दे रहे थे वह मेरे लिए काफी नहीं थे। महिलाओं के लिए बहुत सीमित रोल हैं और इसे पाने के लिए कई महिलाएं संघर्ष करती हैं। अगर मैं नाकाम होती हूं, तो हो जाऊंगी, इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। इसके बाद कुछ और करूंगी।

खेल छोड़ने वालों में से नहीं हैं अहाना

अहाना ने कहा एक प्रोड्यूसर के तौर पर बहुत सारी जिम्मेदारियां हैं। ऐसे में जब आप दूसरी तरफ होते हैं, तो आपको इनके बारे में पता नहीं होता है। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए कंफर्ट जोन से निकलने का सबसे अच्छा वक्त है। ऐसा वक्त भी आता है, जब आपको सख्ती से चुनना होता है, ऐसे में या तो आप खेल में बने रहें या फिर छोड़ दें। मैं छोड़ने वालों में से नहीं हूं। मैं उन में से हूं, जो खेल में बने रहना पसंद करती हैं। मैंने हमेशा शोहरत को पसंद किया है।

अहाना का काम

अहाना अपने प्रोजेक्ट में अभिनय नहीं कर रही हैं। इस पर उन्होंने कहा मैं ऐसी स्क्रिप्ट लिखने के खिलाफ नहीं हूं, जिसमें मैं एक अभिनेत्री के तौर पर काम करूं। हालांकि मैं फिल्हाल एक निर्माता के तौर पर अपना काम कर रही हूं। अहाना कुमरा ने लिपस्टिक अंडर माय बुर्का, द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर और इंडिया लॉकडाउन में नजर आ चुकी हैं।

मरने के बाद आपका काम ही रह जाता है

फिल्म इंडस्ट्री के मंझे हुए कलाकारों में से एक के के मेनन जितने अपने किरदारों में गंभीर नजर आते हैं, उतनी ही गंभीरता से वह अपने काम को भी लेते हैं। इन दिनों वह अपनी फेमस वेब सीरीज स्पेशल ऑप्स 2 को लेकर चर्चा में हैं।

आजकल बहुत सारे सीक्वल बन रहे हैं। कई बार जब पहला सीजन हिट हो जाता है तो निर्माताओं के ऊपर भी होता है कि उस स्केल को थोड़ा बड़ा किया जाए। तो कई बार बड़ा चैलेंजिंग हो जाता है, और कहानी के साथ भी थोड़ा कॉम्प्रोमाइज हो जाता है। इस तरह की चीज़ों से कैसे डील किया जाता है?

उसे डील करने का मेरे पास कोई उपाय नहीं है। बस सिद्धांत यह है कि आपके पास अगर सीक्वल की कहानी है, तो बनाएं। अगर धंधे के तौर पर कर रहे हैं तो फिर शायद वो डामाडोल मामला है। तो मुझे दूसरा सीजन करना पसंद आता क्योंकि पहले वाले में बिजनेस हुआ था, उसमें क्रिएटिविटी मार खाती है। लेकिन अगर आपका पास एक ठोस कहानी है तो उसे बेधड़क करो।

तो यह पहले ही तय कर लेना चाहिए कि दूसरा बनाना है?

हां मतलब, जो फिल्ममेकर है, वही जानेगा न उस बात को। हम तो बस कलाकार हैं। मुझे लगता है कि 1.5 भी इसलिए बनी। पहली बार हमारे इतिहास में 1.5 जैसा कुछ आया। हमने उसे रेगुलर कर दिया। पहले किसी को बोलो कि मैं 1 के बाद 1.5 बना रहा हूं, तो वह हंसेंगे आप पर। हमने कर दिया क्योंकि नीरज के पास वह कहानी मौजूद थी और वह कहानी इतनी लंबी नहीं थी कि उसको स्पेशल ऑप्स 2 करें।

आपकी जिंदगी की फिलोसॉफी क्या है। आप काम और जिंदगी को किस तरह देखते हैं।

लाइफ में एक फिलोसॉफी होनी चाहिए। आप क्या थे, क्या हैं, आप क्या करना चाहते हैं। सिर्फ अगर पैसा कमाना है तो और भी कई रास्ते हैं। लेकिन आपको शांति और संतोष किस चीज़ में मिलता है, वह व्यक्तिगत चीज़ है। हमें तो अगर काम के जरिए पैसे मिल जाए तो मैं खुश हूं। एक समय के बाद आप अपने काम से प्यार करने लगते हैं। यह मेरा मानना है कि मैं अगर काम करता हूं तो वह मरणोपरांत रहना चाहिए। आपका अहंकार मौत के साथ ही खत्म हो जाता है, लेकिन आपका काम रह जाता है। तो मरणोपरांत एक ही चीज़ रह जाता है, वह है आपका काम। लोग देखते रहेंगे कि यह एक बंदा था यह सही था। यही वह चीज़ है जो आप पीछे छोड़ जाते हैं। वरना आप क्या छोड़ेंगे, अपना घर? वह तो ईंट का बना हुआ है, वह खत्म हो जाएगा। और पैसों का क्या है न कि उसका कोई अंत नहीं है। अगर आपकी इच्छा सिर्फ वही है, तो आपको मिल जाएंगे पैसे। आप अगर ठीक से काम करेंगे तो आपको सही-सही पैसे भी मिल जाएंगे।

आप भी कभी अपने जो पुराने सीज़न एक ऑडियंस बनकर देखते हैं?

मेनन ने कहा- मैं तो ऑडियंस ही बन जाता हूं उसके बाद, कलाकार नहीं रहता हूं। यह बहुत ही व्यक्तिगत चीज़ है, मैं अपने आप को बहुत जोड़ता नहीं हूं उससे। मेरा वह दौर निकल चुका है शायद, कि मैं अपने आप को देखकर बोलूं कि मैंने क्या काम किया है। अब उस मामले में थोड़ा सा शर्मा जाता हूं। लेकिन मुझे किरदार करते वक्त मज़ा आया न तो मुझे तृप्ति मिलती है कि चलो संगत मेरा अच्छा था, हमने बहुत अच्छा काम किया उस वक्त। वह मेरे लिए ज्यादा जरूरी है। क्योंकि वह 40-50 दिन वापस नहीं आने वाले हैं। मेरे लिए वह मायने रखता है। बाकी रिजल्ट हमारे लिए एग्जाम की तरह ही होते हैं। इस बार फेल हुए तो अगली बार पास कर लेंगे।

स्पेशल ऑप्स 2 का फैंस का काफी इंतजार था, इतना लंबा इंतजार कराने की क्या वजह रही?

इंतजार थोड़ा भ्रमित करने वाली चीज़ है। क्योंकि 2.5 साल का ही इंतजार था। 2020 में पहला सीजन आया था। 2022 में 1.5 आया और अब 2025 में यह सीजन आ गया। तो इससे ज्यादा क्या बच्चे कि जान लेंगे? स्पेशल ऑप्स 2 बहुत बड़े स्केल में है, तो उसको करने में बहुत समय लग गया।

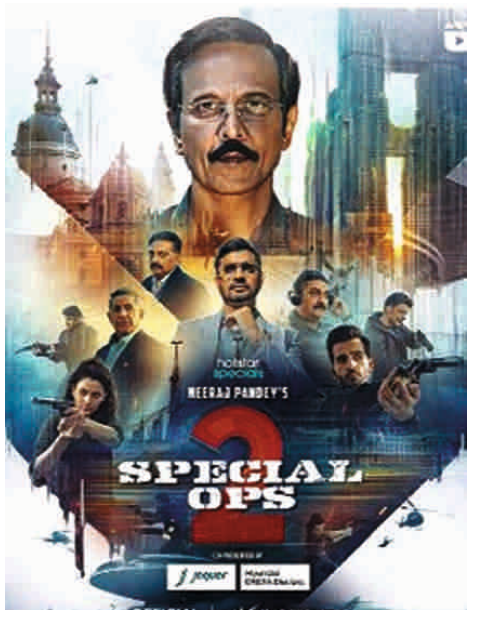

डम्पर और रोडवेज बस के बीच भिड़ंत में चार की मौत व 17 घायल

जयपुर। हनुमानगढ़ जिले की नेशनल हाईवे-54 पर संगरिया के नगराना गांव में बुधवार सुबह डम्पर और रोडवेज बस के बीच भिड़ंत में चार लोगों की मौत हो गई और करीब 17 लोग घायल हुए हैं। घायलों को स्थानीय हॉस्पिटल भिजवाया गया और गंभीर रूप से घायल बस यात्रियों को जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है।

हादसे के सूचना मिलते ही एसपी हरिशंकर और प्रशासनिक अमला घटनास्थल पर पहुंचा। एसपी ने घटनास्थल का मुआयना किया और हादसे की जानकारी ली। संगरिया डीएसपी कर्ण सिंह ने बताया कि आज सुबह आठ बजकर दस मिनट पर सांगरिया-हनुमानगढ़ रोड पर हनुमानगढ़ की तरफ से एक रोडवेज बस आ रही थी। नगराना के पास एक बजरी से भरे डम्पर को ओवरटेक करने के प्रयास में बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। बस में फंसे पैसेंजर्स को बाहर निकालने के लिए क्रेन की मदद ली गई। घायलों को निजी वाहनों और एम्बुलेंस की मदद से हनुमानगढ़ जिला हॉस्पिटल भेजा गया। क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त बस को सड़क से हटवाया गया। एक्सीडेंट के कारण काफी देर तक जाम भी रहा।

पुलिस के अनुसार इस दुर्घटना में पृथ्वीराज (52) पुत्र राजकुमार, निवासी हनुमानगढ़ जंक्शन, रविंद्र (50) पुत्र प्यारा सिंह निवासी, श्रीगंगानगर (बस कंडक्टर), विनोद तंवर पुत्र हरि सिं निवासी, छोटी मिर्जेवाला फाटक के पास श्रीगंगानगर तथा मध्य प्रदेश के एलुरी निवासी राजवीर सिंह (52) की मौत हो गई।

इसके अलावा 17 यात्री घायल हुए हैं जिन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ब्राजील का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिलने पर प्रधानमंत्री मोदी को दी बधाई

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ब्राजील द्वारा देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई दी है। मुख्यमंत्री शर्मा ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया कियशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ब्राजील द्वारा देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह प्रतिष्ठित सम्मा प्रधानमंत्री जी के असाधारण नेतृत्व, वैश्विक राजनीति में भारत की बढ़ती साख तथा अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की प्रतिष्ठा में निरंतर वृद्धि का प्रतीक है। जय हिंद।

चुरू में वायुसेना का जगुआर लड़ाकू विमान क्रैश, 2 लोगों की शव बरामद

चुरू। राजस्थान के चुरू जिले में बुधवार सुबह भारतीय वायुसेना का एक जगुआर लड़ाकू विमान हादसे का शिकार हो गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, यह हादसा जिले के एक खुले क्षेत्र में हुआ और दुर्घटना के समय विमान नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था।

हादसे के तुरंत बाद इलाके में धुएं का गुबार छा गया और स्थानीय लोगों ने तेज धमाके की आवाज सुनी। रक्षा सूत्रों के अनुसार, विमान के क्रैश होने के बाद पायलट की स्थिति गंभीर बताई जा रही है और उसकी मौत की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। वायुसेना और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। क्षेत्र को चारों ओर से घेर लिया गया है, ताकि जांच कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए।

शहीद बीएसएफ हेड कांस्टेबल डालूराम को सैन्य सम्मान से अंतिम विदाई

बाड़मेर। पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर जिले की सिणधरी पंचायत समिति के होडू गांव में बुधवार को गमगीन माहौल छा गया, जब सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के शहीद हेड कांस्टेबल डालूराम की पार्थिव देह तिरंगे में लिपटी हुई उनके पैतृक घर पहुंची। पंजाब के फिरोजपुर में ड्रग्स तस्करी के खिलाफ सर्च ऑपरेशन के दौरान शहीद हुए डालूराम को श्रद्धांजलि देने के लिए ग्रामीणों, परिजनों और अधिकारियों की भीड़ उमड़ पड़ी। परिजनों ने बताया कि 52 वर्षीय डालूराम वर्ष 1995 में बीएसएफ में भर्ती हुए थे और वर्तमान में फिरोजपुर में तैनात थे।

बीएसएफ की टीम को पंजाब के ममदोट ब्लॉक के जल्लोके गांव में ड्रग्स की तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी, जिसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान डालूराम एक खेत में बने कुएं में गिर गए, जहां बोरवेल मशीन से उनके सिर में गंभीर चोट लगी।

इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। बुधवार सुबह जब शहीद की पार्थिव देह गांव पहुंची, तो पूरा गांव गम में डूब गया। उनकी बुजुर्ग मां, पत्नी, बेटा और बेटी का रो-रोकर बुरा हाल था। गांव के लोगों ने नम आंखों से अपने सपूत को अंतिम विदाई दी। परिजनों ने बताया कि डालूराम हाल ही में मई में एक पारिवारिक विवाह समारोह में शामिल होने गांव आए थे और 21 मई को ड्यूटी पर लौटे थे।

शहीद डालूराम का अंतिम संस्कार उनके गांव होडू में सैन्य सम्मान से किया गया। बीएसएफ के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर श्रद्धांजलि दी। 'शहीद डालूराम अमर रहें' और 'भारत माता की जय' के नारों से पूरा गांव गूंज उठा। अंतिम यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए, जिनमें स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और आसपास के गांवों के लोग भी मौजूद थे। हर किसी की आंखें नम थीं लेकिन शहीद की बहादुरी और बलिदान पर गर्व भी साफ झलक रहा था। शहीद डालूराम अपने पीछे मां, पत्नी, एक बेटा और एक बेटी को छोड़ गए हैं।

जनसंपर्क अधिकारी भर्ती परीक्षा-2024 का रिजल्ट घोषित, 18 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए चयनित

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) ने जनसंपर्क अधिकारी (सूचना एवं जनसंपर्क विभाग) भर्ती परीक्षा-2024 का परिणाम घोषित कर दिया है। आयोग ने कुल 18 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए पूर्णतः अस्थाई रूप से चयनित किया है। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि यह परीक्षा 17 मई 2025 को आयोजित की गई थी, जिसमें कुल 1,555 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए थे। परीक्षा के लिए कुल 31,912 आवेदन प्राप्त हुए थे। परिणाम जारी करते हुए उन्होंने बताया कि परीक्षा में 10 प्रतिशत से अधिक प्रश्नों के उत्तर नहीं भरने के कारण 11 अभ्यर्थियों को अयोग्य घोषित कर दिया गया है।

सफल अभ्यर्थियों की पात्रता की जांच एवं दस्तावेज सत्यापन का कार्य काउंसलिंग के माध्यम से किया जाएगा। यह जांच विज्ञापन में दी गई शर्तों और नियमों के अनुसार की जाएगी। पात्रता की समस्त शर्तें पूर्ण नहीं करने वाले अभ्यर्थियों की उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और केवल पात्र अभ्यर्थियों को ही साक्षात्कार में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। काउंसलिंग कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी आयोग क आधिकारिक वेबसाइट एवं अ माध्यमों से यथा समय जारी की जाएगी। इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में कुल छह पदों पर जनसंपर्क अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी।

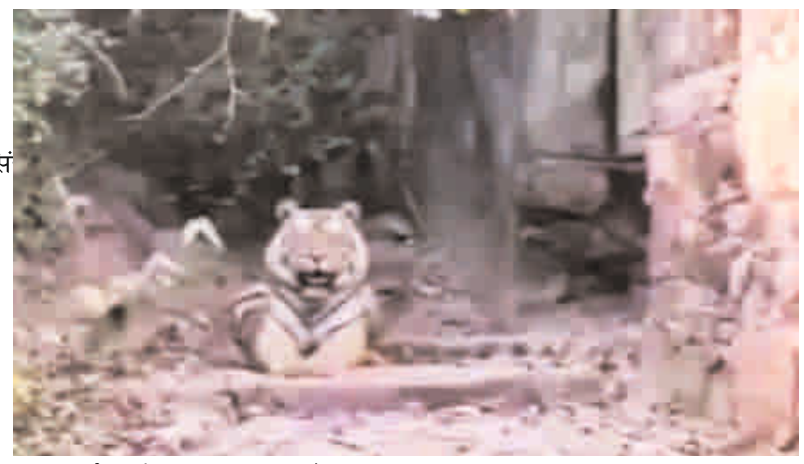

रणथंभौर दुर्ग में फिर टाइगर का मूवमेंट, श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर प्रवेश पर रोक

सवाई माधोपुर। प्रसिद्ध रणथंभौर दुर्ग में एक बार फिर टाइगर की मौजूदगी से हड़कंप मच गया है। बुधवार सुबह दुर्ग परिसर में टाइगर टी-120 गणेश का मूवमेंट देखा गया, जिसके चलते वन विभाग ने सुरक्षा के मद्देनजर श्रद्धालुओं का प्रवेश अस्थायी रूप से रोक दिया है।

इससे पहले भी पिछले माह के अंतिम सप्ताह में टाइगर मूवमेंट के चलते कुछ दिनों के लिए दुर्ग में प्रवेश पर रोक लगाई गई थी। रणथंभौर टाइगर रिजर्व के रेंज ऑफ टाइगर प्रोजेक्ट (आरओपीटी) के रेंजर प्रताप सिंह ने बताया कि बुधवार सुबह टाइगर टी-120 गणेश के दुर्ग में प्रवेश की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। दुर्ग परिसर में टाइगर की स्पष्ट गतिविधि देखने के बाद श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अस्थायी रूप से दर्शन रोक दिए गए हैं।

टाइगर के जंगल की ओर लौटने के बाद ही दुबारा आमजन के लिए प्रवेश खोला जाएगा। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों का आरोप है कि रणथंभौर दुर्ग की क्षतिग्रस्त प्राचीरों के मरम्मत कार्य में देरी हो रही है।

स्कूल बस और बाइक की टक्कर, पिता-पुत्र की मौत, महिला घायल

सीकर। जिले के लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में बुधवार सुबह एक सड़क हादसे में पिता-पुत्र की जान चली गई, जबकि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब तीन सदस्यीय परिवार बाइक से खेत जा रहा था और सामने से आ रही एक प्राइवेट स्कूल बस से आमने-सामने भिड़ंत हो गई। घटना सुबह करीब साढे सात बजे खोरू की भर के पास हुई।

भाजपा नेता दिनेश जोशी ने बताया कि लक्ष्मणगढ़ निवासी मुरारीलाल शर्मा (60), उनकी पत्नी उषा शर्मा (55) और बेटा निखिल शर्मा (22) बाइक से अपने खेत की ओर जा रहे थे। तभी एमके मेमोरियल स्कूल की बस ने सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि निखिल शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल मुरारीलाल ने हॉस्पिटल ले जाते वक्त दम तोड़ दिया। उषा शर्मा को प्राथमिक इलाज के बाद सीकर के एसके अस्पताल रेफर किया गया है।

हादसे के बाद स्कूल बस का ड्राइवर मौके से बच्चों को वहीं छोड़कर फरार हो गया। बच्चे रोते-बिलखते सड़क किनारे खड़े रहे। राहगीरों ने बच्चों को संभालते हुए पुलिस और स्कूल प्रशासन को सूचना दी। घटना से गुस्साए ग्रामीणों और परिजनों ने लक्ष्मणगढ़ जिला अस्पताल के बाहर धरना शुरू कर दिया है। वे स्कूल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बस चालक की गिरफ्तारी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस उप अधीक्षक भी मौके पर पहुंचे और लोगों से समझाइश का प्रयास किया। परिजनों की ओर से दी गई रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल शवों को लक्ष्मणगढ़ अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है।

पुलिस मामले की जांच में जुटी है और स्कूल बस चालक की तलाश की जा रही है।

बेगमबाजार पर राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा

हैदराबाद (एजन्सी),

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी तिथि पर राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा सुबह 7.31 पूर्वाह्न बेगमबाजार, गौशाला के पास, पुल की माता, भाग्यनगर पर की गई। अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल महेश अग्रवाल रवि अग्रवाल अशोक भाई अरुण जी अनिल भाई राधा मीना विनोद तोशनीवाल नरेश बंसल शिव भगवान नीतीश कुमार पूजा सांघी नीलम विजयवर्गी मनोज शर्मा उमारानी रिंकू अरविन्द भाई आशीष किशन पाल रवि और अन्य राधे-राधे समूह के सदस्य उपस्थीत थे।

संविदा लेखा सहायक सीधी भर्ती ऑनलाइन आवेदन पत्रों में त्रुटि संशोधन 09 जुलाई से

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा ग्राम विकास एवं पंचायती राज विभाग के लिये संविदा लेखा सहायक के 400 पदों पर भर्ती के ऑनलाइन आवेदन पत्रों में त्रुटि संशोधन के लिए नौ से अट्ठारह जुलाई तक ऑनलाईन संशोधन के लिये अंतिम अवसर दिया गया है । संविदा लेखा सहायक सीधी भर्ती परीक्षा 16 मई को आयोजित की गयी थी। बोर्ड सचिव डॉ. बी सी बधाल ने बताया कि ऑनलाईन आवेदन में अभ्यर्थी श्रेणी, विशेष श्रेणी, उप श्रेणी, वैवाहिक स्थिति में निर्धारित 300 रुपये का शुल्क ऑनलाईन भुगतान कर संशोधन कर सकेंगे।

इनके अतिरिक्त शेष अन्य सूचनाओं को परिवर्तित नहीं कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि उक्त समय सीमा के पश्चात किसी भी स्थिति में बोर्ड द्वारा कोई संशोधन स्वीकार नहीं किया जायेगा। इस के लिए बोर्ड द्वारा कोई भी ऑफलाईन प्रार्थना पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विधायक डीसी बैरवा के घर लगातार तीन चोरियों पर कांग्रेस का हल्ला बोल कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

दौसा। शहर में बढ़ती आपराधिक घटनाओं, विशेषकर कांग्रेस विधायक डीसी बैरवा के घर पर लगातार तीन बार हुई चोरियों को लेकर जिले की राजनीति में उबाल आ गया है। बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया और जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर पुलिस की निष्क्रियता पर कड़ा ऐतराज जताया।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि दौसा शहर और आस-पास के गांवों में बीते कुछ समय से चोरियों की घटनाएं आम हो गई हैं। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि अब विधायक के घर से भी चोरी हो रही है और पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है। कार्यकर्ताओं ने बताया कि विधायक डीसी बैरवा के निवास से पहले मोबाइल फोन, फिर मोटरसाइकिल, और अंत में ट्रैक्टर-ट्रॉली तक चोरी हो चुकी है। बावजूद इसके सदर थाना पुलिस अब तक न तो चोरों का पता लगा सकी है और न ही चोरी गया माल बरामद हुआ।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि जब एक जनप्रतिनिधि की रिपोर्ट पर भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही, तो आमजन को न्याय कैसे मिलेगा? यह कानून व्यवस्था पर सीधा सवाल है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मांग की कि–पुलिस सक्रियता बढ़ाई जाए और गश्त को मजबूत किया जाए, चोरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर चोरी गया माल बरामद किया जाए, विधायक को नियमानुसार दो पीएसओ (पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर) दिए जाएं, नशीले पदार्थों की बढ़ती सप्लाई पर रोक लगाई जाए, आबकारी विभाग की भूमिका की जांच हो, क्योंकि शराब दुकानें रात देर तक खुली रहती हैं।

असामाजिक तत्वों की धरपकड़ सुनिश्चित की जाए राजनीतिक गलियारों में गर्माहट इस मामले में केवल कार्यकर्ता ही नहीं, बल्कि खुद विधायक डीसी बैरवा भी कई बार पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा चुके हैं।

हाल ही में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी दौसा की कानून व्यवस्था को लेकर चिंता जाहिर की थी। अब पार्टी कार्यकर्ताओं का सड़कों पर उतरना यह दर्शाता है कि मामला महज चोरी का नहीं, बल्कि राजनीतिक चुनौती का रूप ले चुका है।

विरोध में शामिल प्रमुख नेता प्रदर्शन के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामजीलाल ओड़, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष रेनू कटारिया, नगर अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, दौसा प्रधान प्रहलाद मीणा, सिकंदरा प्रधान सुल्तान बैरवा, महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष रुक्मणी गुप्ता, राम अवतार मावई, और सियाराम मीणा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वंदे भारत ने जीता जापानियों का दिल, ओसाका एक्सपो भारतीय रेल की धूम

हैदराबाद (एजन्सी),

जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो-2025 में भारतीय रेल की धूम मची है। भारतीय पवेलियन में न केवल भारतीय प्रवासी बल्कि जापानी नागरिकों की भी भारी भीड़ उमड़ रही है। एक्सपो पहुंचने वाले लोगों में वंदे भारत एक्सप्रेस और चिनाब ब्रिज को लेकर जबरदस्त उत्सुकता देखी जा रही है। लोग इनके बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। कई जापानी आगंतुकों को यह जानकर आश्चर्य हो रहा है कि भारत में इतनी तेज रफ्तार और अत्याधुनिक सुविधाओं वाली ट्रेनें अब आम हो गई हैं। वंदे भारत की एयरोडायनॉमिक डिजाइन, इनबिल्ट सुरक्षा फीचर्स और सेमी हाई-स्पीड क्षमताओं ने तकनीक प्रेमियों को आकर्षित किया है। वहीं, चिनाब ब्रिज – जो दुनिया

का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग क्षमता का प्रतीक बनकर उभरा है। हिमालय की घाटियों में बना यह ब्रिज न केवल तकनीकी चुनौती को परास्त करता है, बल्कि भारत के उत्तर क्षेत्र में कनेक्टिविटी और सुरक्षा की दृष्टि से भी बेहद अहम है। जापानी दर्शक,खासकर इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर के छात्र, चिनाब ब्रिज के 3D प्रेजेंटेशन और इंटरैक्टिव मॉडल को ध्यान से देख रहे हैं और इसके निर्माण से जुड़े विवरणों को जानने में गहरी रुचि ले रहे हैं। वंदे भारत ट्रेन और चिनाब ब्रिज आधुनिक भारतीय रेल का चमकता सितारा है। बदलते भारत की पहचानहै। बीते एक दशक में वंदे भारत ने अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ रेल यात्रा को नई पहचान दी है।

यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ तेज रफ्तार यात्रा की सुविधा मिल रही है। भारतीय रेल ने देश के हर कोने में वंदे भारत के संचालन से कनेक्टिविटी का नया अध्याय लिखा है। पूरे देश में करीब 140 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसे वरिष्ठ नागरिकों के साथ युवाओं के बीच अपार लोकप्रियता मिली है। इस ट्रेन में वातानुकूलित कोच, स्वचालित दरवाजे, बायो टॉयलेट्स, जीपीएस सूचना प्रणाली, ऑनबोर्ड कैटरिंग,वाई-फाई, और सीसीटीवी सुरक्षा जैसी सुविधाएं हैं। ये सुविधाएं यात्रियों को एक प्रीमियम और आरामदायक अनुभव प्रदान करती हैं, जो पहले साधारण ट्रेनों में संभव नहीं था। वंदे भारत ट्रेनें वरिष्ठ नागरिकों, विद्यार्थियों और महिलाओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी है।विश्व एक्सपो 2025, जो कि 13 अप्रैल से 13 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, भारत के लिए वैश्विक मंच पर अपनी उपलब्धियों और नवाचारों को साझा करने का एक सुनहरा अवसर है। जापान में इंडिया पवेलियन की लोकप्रियता न केवल भारत की बढ़ती वैश्विक साख को दर्शाती है, बल्कि यह भी बताती है कि दुनिया भारत की प्रगति को उत्सुकता और सम्मान की नजरों से देख रही है।

हृदयाघात के प्रति सचेत करें और जागरूकता फैलाएँ-सांसद सागर खंड्रे

बीदर,(एजन्सी),

तनावपूर्ण जीवन, बदलते खान-पान और जीवनशैली के कारण राज्य के विभिन्न हिस्सों में हृदयाघात के मामलों में वृद्धि को देखते हुए, सांसद सागर ईश्वर खंड्रे ने स्वास्थ्य अधिकारियों को हृदयाघात से बचाव हेतु आम लोगों के बीच सीने में दर्द और स्वस्थ जीवनशैली पर जागरूकता कार्यक्रम और स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। बीदर में आयोजित दिशा समिति की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। युवाओं और आम लोगों में हृदयाघात के मामले बढ़ रहे हैं।

उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को हृदयाघात के लक्षण के आपात स्थिति में उठाए जाने वाले कदमों और बेहतर जीवनशैली के बारे में जनता को जागरूक करने के निर्देश दिए। ज़िले के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में आपातकालीन दवाएँ उपलब्ध होनी चाहिए। डॉक्टर और कर्मचारी अस्पतालों में मरीजों की उचित देखभाल करें और उनका इलाज करें। जनता के लिए स्वास्थ्य समस्याओं को दर्ज करने हेतु एक ऑनलाइन योजना विकसित की जानी चाहिए। उन्होंने जिला स्वास्थ्य अधिकारी को एम्बुलेंस चालकों की कमी को एक और सप्ताह में दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सड़क किनारे स्टॉलों, होटलों और ढाबों में गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए औचक निरीक्षण करें और की गई कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करें।संबंधित अधिकारी ग्रामीण और तालुका क्षेत्रों में नकली सौंदर्य प्रसाधनों, साबुनों और अच्छे ब्रांड के खाद्य पदार्थों की बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करें।औषधि नियंत्रक और पुलिस विभाग को दवा की दुकानों में नशीली दवाओं की बिक्री के खिलाफ संयुक्त रूप से सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर, सांसद ने विभिन्न विभागों के केंद्र प्रायोजित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा किया और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पिछले वर्ष की बीमा क्षतिपूर्ति राशि का भुगतान किसानों को सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई करने को संयुक्त कृषि निर्देशक को कहा। विधायक डॉ. शैलेंद्र के. बेलदाले ने संबोधित किया और एम्बुलेंस चालकों की कमी को तुरंत दूर करने की अपील की।सांसद सागर खंड्रे ने दिशा समिति की बैठक से पहले बीदर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही, जिले के 83 ग्राम पुस्तकालयों में इंटरनेट कनेक्टिविटी और पुस्तक किट वितरित किए।बैठक में दिशा समिति सदस्य शिवय्या स्वामी, डिसि शिल्पा शर्मा, जिला पंचायत सीईओ डॉ.गिरीश बडोले, एसपी प्रदीप गुंटी और जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

ताड़ की खेती पर कृषि एवं बागवानी विभागों की संयुक्त बैठक

आदिलाबाद (एजन्सी),

जिला कलेक्टर राजर्षि शाह की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में ताड़ की खेती पर कृषि एवं बागवानी विभागों की एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा, "जिले के किसानों को ताड़ की खेती के लिए आगे आने का आह्वान किया गया है। ताड़ की खेती किसानों के लिए लाभदायक है और कृषि एवं बागवानी विभागों

को संयुक्त प्रयासों से 2025-26 तक खेती के लक्ष्य पूरे करने चाहिए।" उन्होंने मंडल कृषि अधिकारियों को खेती के लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें पूरा करने के भी निर्देश दिए। इस कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी श्रीधर स्वामी, जिला बागवानी एवं रेशम उद्योग अधिकारी एस. सुधाकर, प्रियनिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के डीजीएम मल्लेश्वर राव, कृषि एवं बागवानी अधिकारी, कृषि विस्तार अधिकारी आदि ने भाग लिया।

एएसआर होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में विशेष चिकित्सा सेवाओं का शुभारंभ

ताडेपल्लीगुडेम (एजन्सी),

एएसआर होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में विशेष चिकित्सा सेवाओं का शुभारंभ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आनंद कुमार पिंगली द्वारा किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने कहा कि होम्योपैथी कई प्रकार की बीमारियों का इलाज कर सकती है और इन विशेष चिकित्सा सेवाओं का शुभारंभ इस विषय को लोगों तक पहुँचाने का एक प्रयास है। उन्होंने बताया कि पीसीओडी, थायरॉइड, मधुमेह, कैंसर, प्रजनन क्षमता, कान, गला, नाक, ऑटिज़्म, एडीएचडी, व्यवहार संबंधी समस्याएँ, एंडोक्राइनोलॉजी, रुमेटोलॉजी जैसे विशिष्ट विभागों में चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की जाएँगी।

उन्होंने बताया कि इन विशिष्ट विभागों में रोगियों की गहन जाँच की जाएगी और जटिल व कठिन रोगियों को डॉक्टरों की टीम के परामर्श से दवाइयाँ दी जाएँगी। उन्होंने बताया कि 50 बिस्तरों वाले संबद्ध अस्पताल में आवश्यक रोगियों को भर्ती करके चिकित्सा सेवाएँ भी प्रदान की जाएँगी। उन्होंने बताया कि चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ इन विशिष्ट विभागों में अनुसंधान भी किया जाएगा।

मानु में स्नातक प्रवेश शुरू

हैदराबाद(एजन्सी),

मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (मानु) शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) द्वारा आयोजित कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (CUET) 2025 के माध्यम से स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश दे रहा है। प्रवेश निदेशालय की निदेशक प्रो. एम. वनजा के अनुसार, प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 से 15 जुलाई, 2025 है और पहली अनंतिम सूची 17 जुलाई को जारी की जाएगी। उम्मीदवार 18 से 22 जुलाई तक दस्तावेज़ अपलोड कर सकते हैं और प्रमाणपत्र सत्यापन 23 जुलाई को किया जाएगा, जबकि शुल्क भुगतान की तिथि 24 और 25 जुलाई है। दूसरी अनंतिम सूची 28 जुलाई, 2025 को प्रदर्शित की जाएगी।

बी.ए. में प्रवेश (ऑनर्स/रिसर्च) हैदराबाद, लखनऊ, भोपाल, दरभंगा, फलकनुमा (पुराना शहर-हैदराबाद), वाराणसी, नूह में उपलब्ध हैं, जबकि बी.ए. जेएमसी (ऑनर्स/रिसर्च), बी.कॉम (ऑनर्स/रिसर्च), बी.एससी. (ऑनर्स/रिसर्च), बी.वोक. (मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी, मेडिकल लैबोरेटरी टेक्नोलॉजी और इमरजेंसी एवं ट्रॉमा केयर टेक्नोलॉजी) केवल हैदराबाद में उपलब्ध हैं। सीयूईटी-2025 में उपस्थित होने वाले आवेदकों को पहली वरीयता दी जाएगी। उम्मीदवार MANUU प्रवेश पोर्टल https://manuucoe.in/CUETAdmission/ पर पंजीकरण और आवेदन कर सकते हैं। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए इच्छुक उम्मीदवार admissionsregular@manuu.edu.in पर ईमेल कर सकते हैं। अपडेट के लिए MANUU के व्हाट्सएप चैनल से जुड़ें: https://whatsapp.com/channel/0029Va55YVu5vKA4ldmP0B3f

हैदराबाद (एजन्सी),सिखवाल ब्राह्मण समाज के होनहार युवा राहुल पण्डीत सुपुत्र शिवप्रसाद पण्डीत C. A. फाईनल की परीक्षा में उत्तीण होने पर ऋषि श्वगं भवन पर साफा शाल व स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मान किया गया। साथ ही सिखवाल प्रगति समाज द्वारा शाल व माला द्वारा सम्मान करते रामदेव नागला इस अवसर पर अनिल जायलवाल, राजेंद्र ओझा, संदीप जायलवाल, शतीश पण्डीत, गोपालकृष्ण तिवाडी, राधेश्याम नागला तिवारी,अशोक पण्डीत, अमर जायलवाल, श्रीनिवास नागला, सन्दीप पण्डीत, C. A. हरीकिशन पण्डीत, अजय व्याज, नितेश पण्डीत श्याम ओझा उपस्थीत थे।

नामपल्ली पर राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा

हैदराबाद (एजन्सी),

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी तिथि पर राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा सुबह 7.01 बजे @पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली, भाग्यनगर पर की गई। यह सेवा स्वर्गीय श्री प्रेमचंदजी पोद्दार की पुण्यतिथी पर श्री कालूरामजी प्रेमचंदजी पोद्दार परिवार (दीपा ज्वैलर्स) द्वारा की गई। अवसर पर सतीश कुमार रामप्रकाश अग्रवाल सुनीता अग्रवाल जगत नारायण अग्रवाल महेश अग्रवाल भगतराम गोयल संजय गोयल किरण गोयल संजय अग्रवाल सविता अग्रवाल नंदकिशोर अग्रवाल ई-जगन (चंपापेट) कैलाश चंद केडिया निर्मला केडिया प्रेमलता पोद्दार अनुराधा अग्रवाल संजय अग्रवाल अर्चना अग्रवाल स्वरूपा अग्रवाल नितिन अग्रवाल ममता अग्रवाल किशोर पोद्दार दीपा पोद्दार जतिन मोर साक्षी मोर लोकेश अग्रवाल कुणाल अग्रवाल तनिष्क अग्रवाल कृष्णा अग्रवाल प्रियांशु पोद्दार इशिता अग्रवाल लहर अग्रवाल इशिका अग्रवालऔर अन्य राधे-राधे समूह के सदस्य उपस्थीत थे।

मिर्जापुर में "वन महोत्सव" का दो दिवसीय सफल आयोजन

एन फ्लैग फाउंडेशन द्वारा लगाए गए एक हजार से अधिक पौधे

मिर्जापुर(एजन्सी),

एस एन फ्लैग फाउंडेशन ने वन महोत्सव के अंतर्गत - "एक पेड़ मां के नाम" इस कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 5 एवं 6 जुलाई 2025 को मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश में किया - यह एक भव्य दो दिवसीय वृक्षारोपण अभियान का आयोजन था । यह कार्यक्रम "वन महोत्सव सप्ताह" (1 जुलाई से 7 जुलाई) के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता की रक्षा और आम जन में वृक्षों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर बच्चों तथा स्वयंसेवकों का आत्मबल बढ़ाने तथा उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए मिर्जापुर के उप जिला अधिकारी अविनाश कुमार , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओ पी सिंह, नवोदय

विद्यालय के प्रधानाचार्य एस पी त्रिपाठी, उप प्रधानाचार्य राम सिंह तथा सेवानिवृत्त जज उत्तम शाह उपस्थित थे।इस अभियान में यूथ पीसफाउंडेशन के 200 से अधिक स्वयंसेवकों तथा मिर्जापुर के प्रतिष्ठित "नवोदय विद्यालय" के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं प्रधानाचार्य ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने मिलकर एक हजार से अधिक पौधों का रोपण किया और पर्यावरण को हरित एवं स्वच्छ बनाए रखने की शपथ ली। वन महोत्सव भारत में हर वर्ष जुलाई के पहले सप्ताह में मनाया जाता है।

इसका उद्देश्य अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त बनाना, वर्षा चक्र को संतुलित रखना और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं को रोकना है। पेड़-पौधे न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि हमारे जल स्रोतों, जैव विविधता और जलवायु संतुलन को भी सुरक्षित रखते हैं। एस एन फ्लैग्स फाउंडेशन के परिसर में एक हजार से अधिक पौधे लगाने से परिसर की सुन्दरता और बढ़ गई तथा यहां के कार्यकर्ताओं ने इनकी देखभाल का संकल्प लिया ताकि इनका विकास बढ़िया ढंग से हो सके। एस एन फ्लैग्स फाउंडेशन द्वारा सभी छात्रों को सहभागिता प्रमाणपत्र प्रदान किए गए, जिससे उनमें भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों में भाग लेने की प्रेरणा मिले।

इस आयोजन में सामूहिक प्रयास, टीम भावना और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया गया। पेड़ों एवं जैव विविधता के महत्व को पेड़ों एवं जैव विविधता के महत्व को जाना, पर्यावरणीय स्वच्छता, ऑक्सीजन, बारिश एवं मिट्टी संरक्षण में वृक्षों की आवश्यकता समझी तथा यूथ पीस फाउंडेशन के साथ मिलकर जिस प्रकार बच्चों ने टीम वर्क, जिम्मेदारी और आत्म-निर्भरता दिखाई वह काफी सराहनीय था l छात्रों ने बताया कि यह दिन उनके लिए "बहुत आनंददायक और सीख देने वाला" रहा। एस एन फ्लैग्स फाउंडेशन ने इस सप्ताह को प्रकृति की महत्ता, पेड़ों के लाभ और युवा नेतृत्व पर केंद्रित संदेश के साथ मनाया तथा इस आयोजन को सफल बनाने के लिए युथ पीस फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

एस एन फ्लैग्स फाउंडेशन पर्यावरण संरक्षण, समुदायिक कल्याण, और सतत विकास के मार्ग पर शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध संस्था है। "एक वृक्ष, एक जीवन" के संदेश को आत्मसात करते हुए यह आयोजन अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ढेरों शतक लगाएंगे, युवराज सिंह ने खुलकर शुभमन गिल की तारीफ की

लंदन, एजेंसी। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट मैच में बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेले गए टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शानदार प्रदर्शन के बाद टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की सराहना की।गिल ने चौथे नंबर पर आसानी से जगह बना ली है, जो बल्लेबाजी क्रम में एक महत्वपूर्ण स्थान है और जिस पर सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ी रह चुके हैं। गिल इस श्रृंखला में रन बनाने के मामले में शीर्ष पर हैं। उन्होंने दो टेस्ट मैचों की चार पारियों में 146.25 की औसत और 73 से अधिक के आक्रामक स्ट्राइक रेट से 585 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर तीन शतक और एजबेस्टन में 387 गेंदों पर 269 रन रहा। टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान गिल के प्रदर्शन पर युवराज ने कहा, शुभमन गिल ने कमाल की कप्तानी की और बेहतरीन बल्लेबाजी की। मुझे उन पर बहुत गर्व है और मुझे यकीन है कि उनके पिता को भी उन पर गर्व होगा... मैं बहुत प्रभावित हूं... मुझे उम्मीद है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ढेरों शतक लगाएंगे। कप्तान शुभमन गिल के ऐतिहासिक बल्ले और तेज गेंदबाज आकाश दीप के 10 विकेटों ने टीम इंडिया के व्यापक प्रयास को उजागर किया और बर्मिंघम में भारत ने जीत का सिलसिला तोड़ते हुए रविवार को दूसरे टेस्ट के आखिरी दिन इंग्लैंड को 336 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ने 5 मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। साथ ही शुभमन के नाम अब सात हार और एक ड्रॉ के बाद एजबेस्टन स्टेडियम में उनके नाम आखिरकार एक जीत दर्ज हो गई है।

आईपीएल में इस्तेमाल किए गए फिल साल्ट के बल्ले को मंजूरी मिली, गेज टेस्ट में हो गया था फेल

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के सीमित ओवरों के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सहित पिछले दो वर्षों से जिस बल्ले का उपयोग कर रहे थे उसे शुरू में मैदान पर गेज परीक्षण में गलत पाया गया था, लेकिन बाद में आगे की जांच के बाद इसे मंजूरी दे दी गई। इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में लंकाशर की तरफ से खेलने वाले 28 वर्षीय साल्ट ने इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु की पहली आईपीएल खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आईपीएल 2025 में उन्होंने 13 मैचों में 403 रन बनाए थे, जो विराट कोहली (15 मैचों में 657) के बाद उनकी टीम के लिए दूसरे सबसे ज़्यादा रन थे। लंकाशर क्रिकेट ने एक बयान में कहा कि नॉर्थैंट्स स्टीलबैक्स के खिलाफ शुक्रवार को हुए विटैलिटी ब्लास्ट टी-20 मैच के दौरान साल्ट द्वारा इस्तेमाल किए गए बल्ले को क्रिकेट नियामक की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) ने मंजूरी दे दी है।

क्लब ने बयान में कहा, 'साल्ट पर ईसीबी (इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड) के नियम 3.2 और 3.3 के उल्लंघन का आरोप है, क्योंकि विटैलिटी ब्लास्ट मैच के दौरान उनका बल्ला मैदान पर गेज परीक्षण में सही नहीं पाया गया था। यह वही बल्ला है जिसका इस्तेमाल उन्होंने पिछले दो साल से इंग्लैंड, लंकाशर और आईपीएल के लिए बिना किसी समस्या के किया। बयान के अनुसार, 'लेकिन क्रिकेट नियामक संस्था द्वारा बाद में किए गए परीक्षण में इसे सही पाया गया। क्लब और खिलाड़ी को इस बारे में सूचित कर दिया गया है और अब इस मामले में आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

इंडिया-इंग्लैंड टेस्ट:

क्या लॉर्ड्स में कपिल-धोनी-कोहली के क्लब में शामिल होंगे गिल?

यहां 93 साल में तीन टेस्ट जीता भारत

लंदन, एजेंसी। भारत ने लॉर्ड्स के मैदान पर सबसे पहला टेस्ट 1932 में खेला था। अब तक 93 साल में टीम इंडिया ने इस मैदान पर कुल 19 टेस्ट खेले हैं और सिर्फ तीन जीते हैं। 12 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार मिली है और चार टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा टेस्ट लॉर्ड्स में गुरुवार से खेला जाएगा।

इस टेस्ट की तैयारी को लेकर भारतीय टीम जमकर पसीना बहा रही है। भारत की प्लेइंग-11 में एक बदलाव तय माना जा रहा है। जसप्रीत बुमराह की वापसी होना तय है। वहीं, इस टेस्ट में शुभमन गिल और ऋषभ पंत जैसे बल्लेबाजों से भी काफी उम्मीदें होंगी। लॉर्ड्स में भारतीय टीम का पिछले कुछ दौरों पर रिकॉर्ड शानदार रहा है। 2021 में विराट कोहली की अगुआई में टीम इंडिया ने यहां ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। अब उनके उत्तराधिकारी शुभमन गिल की कप्तानी में भी फैंस जीत की उम्मीद लगाए बैठे हैं। हालांकि, अब तक टीम इंडिया ने लॉर्ड्स के मैदान पर सिर्फ तीन टेस्ट ही जीते हैं। इन तीनों टेस्ट में अलग-अलग कप्तान रहे और अलग-अलग खिलाड़ियों को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड भी मिला।

इस मैदान पर भारत के रिकॉर्ड के बारे में जानते हैं... भारत का लॉर्ड्स में रिकॉर्ड

भारत ने लॉर्ड्स के मैदान पर सबसे पहला टेस्ट 1932 में खेला था। अब तक 93 साल में टीम इंडिया ने इस मैदान पर कुल 19 टेस्ट खेले हैं और सिर्फ तीन जीते हैं। 12 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार मिली है और चार टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारत ने यहां कपिल देव की कप्तानी में 1986 में पांच विकेट से जीत हासिल की थी, जबकि 2014 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने लॉर्ड्स में 95 रन से मैच जीता था। साल 2021 में भारत ने यहां विराट कोहली की कप्तानी में 151 रन से जीत हासिल की थी। अब शुभमन गिल के पास लॉर्ड्स में जीत हासिल करने वाले चौथे भारतीय कप्तान बनने का मौका है। गिल की टीम के पास वह पूरा दमखम है, जिससे वह जीत हासिल कर सकते हैं।

हाल ही में उनकी टीम ने एजबेस्टन में इतिहास रचा था। भारतीय टीम एजबेस्टन में टेस्ट जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनी थी और गिल पहले एशियाई कप्तान बने थे। अब वह लॉर्ड्स में भी कमाल कर सकते हैं।

जिस विंबलडन मैच को देखने पहुंचे कोहली-अनुष्का, वहां अवनीत भी स्टैंड में मौजूद, फैंस ने दीं प्रतिक्रियाएं

लंदन, एजेंसी। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और अनुष्का शर्मा हाल ही में विंबलडन मैच देखने पहुंचे थे। उन्होंने सर्बिया के नोवाक जोकोविच और एलेक्सडि मिनोर के बीच हुए मुकाबले का लुत्फ उठाया। इस मैच को जोकोविच ने 1-6, 6-4, 6-4, 6-4 से जीता और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, मैच के दौरान कोहली और अनुष्का की तस्वीरें वायरल हुईं, उसमें दोनों का मुंह लटका हुआ दिखा था। इस पर सोशल मीडिया पर जमकर प्रतिक्रियाएं आईं कि दोनों निराश क्यों हैं। अब एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। दरअसल, उस मैच को देखने अवनीत कौर भी पहुंची थीं। फैंस कोहली के निराश चेहरे और तस्वीर को इससे जोड़ रहे हैं। अवनीत कौर बॉलीवुड सेलिब्रिटी हैं, जिनके फोटो को एक बार कोहली ने लाइक करके अनलाइक कर दिया था। फिर कोहली ने फोटो लाइक करने को लेकर स्पष्टिकरण दिया था, जिससे जमकर बवाल हुआ था।

कोहली के अवनीत के फोटो को लाइक करने से बढ़ा था विवाद

दरअसल, इसी साल दो मई को विराट कोहली ने अवनीत की फोटो लाइक कर दी थी। इसके बाद वह ट्रोल हो गए। बाद में विराट ने इंस्टाग्राम स्टोरी में फोटो लाइक करने के पीछे की वजह बताई थी और सफाई पेश की थी। मामला बढ़ता देख कोहली ने स्पष्टीकरण दिया जिससे इसे लेकर किसी तरह की गलतफहमी आगे ना बढ़े। हालांकि, इसने आग में घी डालने का काम किया। कोहली ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि जब मैं अपनी फीड देख रहा था तो शायद गलती से प्रतिक्रिया दी गई। इसके पीछे किसी तरह का कोई इरादा नहीं था। मैं अपील करता हूं किसी तरह की गैर जरूरी कयास नहीं लगा जाएं। आप लोगों का धन्यवाद।

ब्रायन लारा ने बताया था कौन भारतीय खिलाड़ी तोड़ सकता है उनका 400 रन का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। इन दिनों साउथ अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर काफी चर्चा हैं क्योंकि वो टेस्ट क्रिकेट में एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ब्रायन लारा के रिकॉर्ड को तोड़ सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। वियान ने बाद में बताया कि लारा इस रिकॉर्ड को डीजर्व करते हैं और वो इसे नहीं तोड़ना चाहते थे। मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 334 गेंदों पर 367 रन बना लिए थे, लेकिन इसके बाद उन्होंने पारी की घोषणा कर दी थी।

लारा ने लिया था यशस्वी और हैरी ब्रुक का नाम

वियान मुल्डर की चर्चित टेस्ट पारी के बीच इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइक आर्थटन ने एक बड़ा खुलासा किया और बताया कि उनकी एक बार ब्रायन लारा से बात हुई थी और फिर लारा ने उन्हें बताया था कि कौन खिलाड़ी उनके 400 रन के रिकॉर्ड को तोड़ सकता है। आर्थटन ने बताया कि लारा ने इसके लिए यशस्वी जायसवाल और इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रुक का नाम लिया था। लारा के मुताबिक उनके 400 रन के टेस्ट रिकॉर्ड को ये दोनों ध्वस्त कर सकते हैं।

आर्थटन ने स्काई क्रिकेट यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए बताया कि उन्होंने लारा से साल 2024 में उनके 400 रन के टेस्ट रिकॉर्ड के बारे में बात की थी और बातचीत के दौरान ही उन्होंने बताया था कि कौन उनके इस रिकॉर्ड को तोड़ सकता है। लारा ने साफ तौर पर कहा था कि मॉर्डन डे टेस्ट क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल और हैरी ब्रुक जिस तरह की क्रिकेट खेलते हैं उससे उन्हें लगता है कि इन दोनों में ऐसा करने की काबिलियत है। आपको बता दें कि यशस्वी अपने टेस्ट डेब्यू के बाद से ही भारत के बेस्ट बल्लेबाजों में से एक रहे हैं।

यशस्वी जायसवाल के टेस्ट रिकॉर्ड की बात करें तो इस प्रारूप में उनका बेस्ट रिकॉर्ड 214 रन है और उन्होंने अब तक टेस्ट की 40 पारियों में 53.10 की औसत के साथ 2018 रन बनाए हैं। वहीं टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगा चुके हैरी ब्रुक ने 45 पारियों में 59.52 की औसत से 2619 रन बनाए हैं और उनका बेस्ट स्कोर इस फॉर्मेट में 317 रन है। यशस्वी इस वक्त इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और अच्छी फॉर्म में भी हैं।

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज को यकीन, फैब फोर में जगह बना सकते हैं शुभमन गिल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज मार्क रामप्रकाश ने भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की शानदार बल्लेबाजी तकनीक को सराहा है। रामप्रकाश मुताबिक गिल ने फैब फोर (विराट कोहली, जो रूट, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन) के दौर के बल्लेबाजों की जगह लेने की क्षमता दिखाई है।

लीड्स में शुभमन गिल ने 147 और आठ रन की पारी खेली, जिसके बाद एजबेस्टन में 269 और 161 रन जड़ दिए। गुरुवार से लॉर्ड्स में शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट से पहले, गिल ने पांच मैचों की सीरीज में 585 रन जोड़ लिए हैं। रामप्रकाश ने बुधवार को द गार्जियन में लिखा, हमें गिल की सिर्फ सहनशक्ति, स्किल और रन बनाने की भूख की सराहना ही नहीं करनी चाहिए, बल्कि एक युवा टीम के नए कप्तान के रूप में उदाहरण पेश करने की भी तारीफ करनी चाहिए।

यूरोप दौरे पर भारत-ए पुरुष हॉकी टीम की शानदार शुरुआत, आयरलैंड को 6-1 से धोया

आइंडहोवन, एजेंसी । भारत-ए पुरुष हॉकी टीम ने हॉकी क्लब ओरांजे-रूड में आयरलैंड पर 6-1 से शानदार जीत के साथ अपने यूरोप दौरे की शुरुआत की। भारत ने सभी चार क्वार्टर में शानदार प्रदर्शन किया और कोई भी गलती नहीं की।

उत्तम सिंह ने टीम के लिए पहला गोल दागा और इसके बाद अमनदीप लाकड़ा ने टीम की बढ़त को और मजबूत किया। इसके बाद आदित्य लालागे ने लगातार दो गोल दागकर टीम को जीत दिलाई। फॉरवर्ड सेल्वम कार्थी और बॉबी सिंह धामी ने भी एक-एक गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

भारत की चुस्त-दुरुस्त रक्षापंक्ति के सामने आयरलैंड सिर्फ एक गोल ही कर सका। भारत का अगला मुकाबला 9 जुलाई को आयरलैंड से होगा, जहां उसे एक और सकारात्मक परिणाम उम्मीद होगी। इस मुकाबले को भी जीतकर भारत यूरोप दौरे में अपनी लय को बरकरार रखना चाहेगा। इसके बाद अगले दो सप्ताह में भारतीय टीम फ्रांस, इंग्लैंड, बेल्जियम और मेजबान नीदरलैंड को चुनौती देगी।

इन मुकाबलों का उद्देश्य खिलाड़ियों की मजबूती और तैयारियों को परखना है। इस समय नेशनल सेटअप भारतीय सीनियर टीम के लिए एक मजबूत टैलेंट पूल तैयार करने की दिशा में काम कर रहा है। इस दौरे के जरिए हॉकी इंडिया का मकसद भारतीय पुरुष नेशनल टीम के लिए प्रतिभा का दायरा बढ़ाना और भारतीय हॉकी की अगली पीढ़ी को अंतरराष्ट्रीय मैचों का अनुभव देना है।

फ्लूमिनेंस को 2-0 से हराकर क्लब विश्व कप-2025 के फाइनल में चेल्सी

न्यू जर्सी, एजेंसी। फ्लूमिनेंस को 2-0 से मात देकर चेल्सी ने क्लब विश्व कप-2025 के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। इस सेमीफाइनल मैच के हीरो जोआओ पेड्रो रहे। दोनों गोल इसी खिलाड़ी ने दागे। ब्लूज के नए सदस्य ने दोनों हाफ में शानदार गोल करते ब्राजीलियन टीम की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

अब चेल्सी का सामना रियल मैड्रिड सीएफ और पेरिस सेंट जर्मेन के बीच सेमीफाइनल मुकाबले की विजेता टीम से होगा। 70 हजार से ज्यादा फैंस से भरे स्टेडियम में चेल्सी को मुकाबले में अपनी पकड़ बनाने के लिए ज्यादा समय नहीं लेना पड़ा। शुरुआती 10 मिनट में उन्होंने गेंद पर कब्जा जमा लिया और कुछ मौके बनाए। जोआओ पेड्रो का पहला गोल 18वें मिनट में आया, उन्होंने 20 गज की दूरी से एक शॉट लगाकर फुटबॉल को गोलपोस्ट के कोने में पहुंचाया। 25वें मिनट में हरकयूलिस ने गोल का शानदार मौका बनाया, लेकिन कुकुरेला ने गोललाइन पर क्लियर कर दिया। पहले हाफ के अंत में फ्लूमिनेंस को पेनल्टी मिली। रिने का क्रॉस चालोबा के हाथ से टकराया, लेकिन वीएआर चेक के बाद फैसला बदल दिया गया। जोआओ पेड्रो ने मैच का दूसरा गोल 56वें मिनट पर किया। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने गोल की ओर बढ़ते हुए क्रॉसबार से गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। जोआओ पेड्रो ने फ्लूमिनेंस से ही अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने इंग्लैंड आने से पहले क्लब के लिए 36 मुकाबले खेले थे।

यही वजह रही कि गोल दागने के बाद उन्होंने कोई खास जश्न नहीं मनाया। इसी के साथ चेल्सी ने लगातार दूसरे मुकाबले ब्राजीलियन क्लब को हराया है, जिसके साथ 2023 की कोपा लिबर्टाडोरेस विजेता फ्लूमिनेंस के लिए इस टूर्नामेंट का अंत हो गया। फ्लूमिनेंस ने ग्रुप स्टेज में बोरुसिया डॉर्टमंड को रोका था, जिसके बाद उसने इंटर मिलान को हराया। टीम ने क्वार्टर फाइनल में अल-हिलाल को शिकस्त दी, लेकिन चेल्सी के सामने यह टीम कमजोर साबित हुई।

'जब हर 4 दिन में दाढ़ी रंगनी पड़ी', विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के फैसले पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के अपने फैसले के पीछे की वजह का खुलासा कर दिया। विराट कोहली ने लगभग दो महीने बाद 8 जुलाई 2025 को पहली बार इस मुद्दे पर बात की। विराट कोहली ने दाढ़ी के रंग का हवाला देते हुए संकेत दिया कि अब समय आ गया है कि वह खेल के लाल गेंद वाले प्रारूप से नाता तोड़ लें।

युवी के कार्यक्रम में इकट्ठा हुए दिग्गज क्रिकेटर्स: युवराज सिंह ने अपने फाउंडेशन के लिए धन जुटाने हेतु लंदन में एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। इसमें कई वर्तमान और पूर्व क्रिकेट हस्तियां एक ही छत के नीचे इकट्ठा हुईं। गौतम गंभीर के नेतृत्व में सहयोगी स्टाफ सहित पूरी भारतीय क्रिकेट टीम मौजूद थी। कार्यक्रम में सचिन तेंदुलकर, क्रिस गेल, केविन पीटरसन, ब्रायन लारा और आशीष नेहरा जैसे सितारे भी शामिल थे।

शहर के बीचों-बीच स्थित आलीशान होटल से निकलने से पहले टीम इंडिया लगभग एक घंटे तक रुकी और कुछ मजेदार एक्टिविटीज हिस्सा लिया। जब सभी लोग डिनर के लिए तैयार हो चुके थे और अन्य एक्टिविटीज के शुरू होने का इंतजार कर रहे थे, तभी विशाल स्क्रीन पर एक जाना-पहचाना चेहरा दिखाई दिया, जिसमें पूर्व भारतीय टेस्ट कप्तान विराट कोहली अपने दोस्त केविन पीटरसन के साथ खाना खाते हुए बातें करते नजर आए। इसके बाद गौरव कपूर ने एक चैट सेशन का आयोजन किया, जिसमें भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री, क्रिकेटर युवराज सिंह, केविन पीटरसन, क्रिस गेल और डैरेन गॉफ शामिल हुए। शुरू में विराट कोहली मंच पर नहीं थे, लेकिन गौरव कपूर के आग्रह पर वह मंच पर आए और बाकी लोगों के साथ शामिल हो गए।

मैंने 2 दिन पहले ही दाढ़ी रंगी है: कोहली: बाद में क्रिस गेल के साथ एक खास मुलाकात में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने पर तब अनोखी प्रतिक्रिया दी जब गौरव ने कहा कि मैदान पर उन्हें सभी मिस करते हैं। विराट कोहली ने कहा, 'मैंने दो दिन पहले ही अपनी दाढ़ी रंगी है। जब आप हर चार दिन में अपनी दाढ़ी को रंगते हैं तो आपको पता चल जाता है कि यही सही समय है।' विराट कोहली के साथ उनके पूर्व कोच शास्त्री भी थे और दोनों ने भारतीय क्रिकेट टीम के साथ बिताए समय के दौरान मिले सहयोग के लिए एक-दूसरे की प्रशंसा की। विराट कोहली ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर के साथ अपने रिश्ते के बारे में विस्तार से बात की और बताया कि कैसे इसने उन्हें एक टेस्ट क्रिकेटर बनने और देश के लिए जो कुछ भी हासिल किया, उसमें मदद की।

रवि शास्त्री के बिना इतना शानदार नहीं होता करियर-कोहली: विराट कोहली ने कहा, 'सच कहूं तो अगर मैं उनके साथ काम नहीं कर रहा होता तो टेस्ट क्रिकेट में जो हुआ वह मुमकिन नहीं होता। हमारे बीच जो स्पष्टता थी, वह मिलना बहुत मुश्किल है।

क्रिकेटर्स के करियर में आगे बढ़ने के लिए यही सब कुछ है। अगर उन्होंने भी मेरा उतना साथ नहीं दिया होता जितना उन्होंने दिया तो उन प्रेस कॉन्फ्रेंस में जहां उन्होंने आगे बढ़कर 'गोलियां' खाईं, जो चीजें अलग होतीं और मेरे क्रिकेट के सफर में एक अहम हिस्सा होने के लिए मेरे मन में उनके लिए हमेशा सम्मान और आदर रहा है।'

विराट कोहली ने 12 मई 2025 को की थी टेस्ट से संन्यास की घोषणा: 12 मई को इंस्टाग्राम पर जारी एक संदेश में विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। एक ऐसा प्रारूप जिसका उन्होंने अपने पूरे करियर में समर्थन किया। उन्होंने कहा था, 'इस प्रारूप से संन्यास लेना आसान नहीं है, लेकिन यह सही लगता है।

मैंने इसमें अपना सब कुछ लगा दिया है और इसने मुझे मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा दिया है। मैं दिल से कृतज्ञता के साथ विदा ले रहा हूं- इस खेल के लिए, उन लोगों के लिए जिनके साथ मैंने मैदान साझा किया और हर उस व्यक्ति के लिए जिसने मुझे इस सफर में आगे बढ़ने का अहसास दिलाया। मैं अपने टेस्ट करियर को हमेशा मुस्कुराते हुए याद करूंगा।'

गोशामहल मंडल पार्षद लाल सिंह ने ली बोनालू उत्सव की तैयारियों की बैठक

हैदराबाद (एजन्सी),

गोशामहल मंडल पार्षद लाल सिंह ने बोनालू उत्सव की तैयारियों के संबंध में भारत कम्युनिटी हॉल में एक बैठक आयोजित की। बैठक का उद्देश्य जीएचएमसी, जल विभाग, पुलिस विभाग और उनके संबंधित अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित करना था। तथा उत्सव का शांतीपूर्ण माहौल में संपन्न कराना था।

अवसर पर उपनिरीक्षक लक्ष्मैया , जीएचएमसी कार्यकारी अभियंता राधिका, महेंद्र सहायक अभियंता, जीएचएमसी, एएमओएच, वेंकट रमना, एसएस अशोक, सेंट लाइट इंजीनियर श्रीकांत, एचएम डब्ल्यूएसएसबी महाप्रबंधक श्रीनिवास, प्रबंधक गुरुनाथ तथा उदय सिंह, नटराज नामधारी, विपिन, सुधाकर गौड़, मुरली कृष्ण, अक्षय साहू, कैलाश सिंह, संदीप राज सिंह और अन्य उपस्थीत थे।

कावड़ यात्रा हेतु गंगाजल नगर लाया गया,1151 कावड़धारियों ने कराया पंजीकरण

हैदराबाद(एजन्सी),

भाग्यनगर काँवड़ सेवा संघ, हैदराबाद सिकंदराबाद के तत्वावधान में आगामी 27 जुलाई को 28वीं भव्य काँवड़ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। संघ के यात्रा प्रबंधक श्री अभिनव अग्रवाल के बंजारा हिल्स स्थित निवास पर संघ के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गयी। संघ के प्रचार सह संयोजक पंकज वर्मा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया कि बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष मांगेराम तायल ने की। बताया कि इस वर्ष की काँवड़ यात्रा हेतु कावड़ पंजीकरण पूर्ण हो चुका है। पुरुषोत्तम अग्रवाल ने बताया कि कावड़ यात्रा

चारमीनार स्थित महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो से होती हुई अपने पहले पड़ाव: द्रोपती गार्डन सीताराम बाग पहुंचेगी ,जहां पर अल्पाहार रहेगा।

पुनः यात्रा प्रारंभ होकर अपने दूसरे पड़ाव सुगना गार्डन लंगर हाउस पहुंचेगी । जहां पर भोजन की व्यवस्था रहेगी । यात्रा पुनः प्रारंभ होकर अपनी तृतीय पड़ाव नरसिंगी चौराहा के समीप स्थित ओम कन्वेंशन में रुकेगी। जहां रात्रि में शिव भंडारा एवं शिव महा जागरण का आयोजन किया जाएगा। बैठक में कोषाध्यक्ष चंपालाल बैद ने बताया कि कावड़ यात्रा हेतु गंगाजल हरिद्वार हर की पौड़ी से नगर लाया गया है । 1151 भाग्यशाली कावड़धारियों ने अपना पंजीकरण कर लिया है जो जो भक्त काँवड़ उठाने के इच्छुक है जिनका पंजीकरण इस वर्ष नहीं हो पाया उनसे भी संघ का आग्रह है कि वह कावड़ यात्रा में भगवा ड्रेस पहनकर सम्मिलित हो और हर की पौड़ी हरिद्वार से ले गए गंगाजल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक अपने परिवार के सहित करें।

बैठक में पंकज वर्मा ने बताया कि बैठक में कावड़ यात्रा के प्रचार हेतु पोस्ट का विमोचन भी संघ के पदाधिकारी द्वारा किया गया इस पोस्ट में यात्रा संबंधित जानकारी दी गई है ।कावड़ यात्रा मार्ग में यात्रा का स्वागत करने के इच्छुक सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं से आग्रह है कि वह अपना नाम संस्था के पास लिखवा दे।

और कावड़ यात्रा का स्वागत केवल पुष्प की पंखुड़ियां द्वारा ही करें ।बैठक में संस्था के अध्यक्ष मांगीराम तायल , उपाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल एवं सुनील अग्रवाल, कोषाध्यक्ष चंपालाल बैद, सह मंत्री ललित कड़ेल, यात्रा प्रधान संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल , प्रचार प्रसार सह- संयोजक पंकज वर्मा ,यात्रा सह संयोजक ओमप्रकाश अग्रवाल,भरत अग्रवाल, अभिनव अग्रवाल , पूर्वा अग्रवाल, सोनाली वर्मा, आरव अग्रवाल, झलक अग्रवाल एवं अन्य उपस्थित थे महिला अध्यक्ष रूबी मिश्रा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

मिधानि में हिंदी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद (एजन्सी),

भारत के रक्षा उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मिधानि के तत्वावधान में कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशानिर्देशों का अनुसरण करते हुए आयोजित की गई। कार्यशाला में चार विभिन्न विषयों में सत्र संचालित किए गए। कार्यशाला के प्रथम सत्र में उद्यम के प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) डॉ. बी. बालाजी ने कार्यशाला के प्रतिभागियों का स्वागत किया। हिंदी कार्यशाला के आयोजन की अनिवार्यता तथा उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए सत्रों का परिचय दिया।

उन्होंने बताया कि कार्यशाला में राजभाषा नीति, राजभाषा कार्यान्वयन में कंप्यूटर की भूमिका, कंप्यूटर पर हिंदी टंकण के बेसिक टिप्स सहित प्रशासनिक शब्दावली जैसे विषयों पर व्याख्यान होंगे। उन्होंने प्रथम सत्र में कार्यालयीन शब्दावली व कंप्यूटर पर हिंदी टंकण के बेसिक टिप्स विषय परव्याख्यान दिया और प्रतिभागियों से अभ्यास कराया। दूसरे सत्र में एसबीआई के स्थानीय प्रधान कार्यालय, अमरावती, हैदराबाद के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) रजनीश कुमार यादव ने "राजभाषा कार्यान्वयन में कर्मचारियों के दायित्व" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान के दौरान संविधान में राजभाषा

संबंधी अनुच्छेदों पर चर्चा करते हुए प्रतिभागियों को राजभाषा अधिनियम, 1963 की धाराओं व राजभाषा नियम 1976 के अंतर्गत बने नियमों की जानकारी दी। अपने व्याख्यान के दौरान उन्होंने भारत सरकार के कार्यालयों में राजभाषा के कार्यान्वयन में कर्मचारियों की भूमिका पर प्रकाश डोला।

उन्होंने बताया कि कार्यालयों में सरकारी कार्यों से संबंधित विभिन्न प्रकार के दस्तावेज तैयार किए जाते हैं। उनको जारी करने वाले अधिकारी का दायित्व है कि वे देखें कि उनके हस्ताक्षर से प्रसारित होने वाले दस्तावेज द्विभाषा हों। केंद्र सरकार के कार्यालयों में राजभाषा का प्रचार-प्रसार का प्रमुख दायित्व कार्यालय प्रधान पर तो होता ही है, लेकिन वास्तविक रूप से विभिन्न दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी पर निर्भर करता है कि वे राजभाषा में कितनी रुचि लेते हैं। उन्होंने बड़े ही रोचक ढंग से राजभाषा कार्यान्वयन में कर्मचारियों की भूमिका को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के कर्मचारी के सहयोग के बिना राजभाषा कार्यान्वयन सुचारु रूप से नहीं हो सकता है।

इसीलिए राजभाषा कार्यान्वयन में कर्मचारियों की सक्रिय भूमिका की अपेक्षा की जाती है। श्री कुमार ने कार्यालय के दैनिक कामकाज में राजभाषा के प्रयोग के लिए कर्मचारियों को प्रेरित किया। हिंदी कार्यशाला के तीसरे सत्र में केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के उप निदेशक (राजभाषा) डॉ. संतराम यादव ने ;राजभाषा कार्यान्वयन में प्रौद्योगिकी की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कितकनीक के सहयोग से हिंदी को सरल और सुलभ बनाना संभव हुआ है तथा कंप्यूटर, मोबाइल और स्मार्ट उपकरणों पर हिंदी का व्यापक उपयोग हो रहा है। आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा, ध्वनि पहचान, मशीन अनुवाद आदि आधुनिक क्षेत्रों में भी हिंदी सक्रिय रूप से प्रयुक्त हो रही है।

गूगल असिस्टेंट, अलेक्सा जैसे उपकरणों में हिंदी में संवादसंभव है, जिससे घर और अन्य उपकरणों को भी नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने अनेक उपयोगी हिंदी वेबसाइटोंऔर संसाधनों की जानकारी देते हुए यह भी कहा कि अब तकनीक के माध्यम से राजभाषा हिंदी को और अधिक प्रभावी रूप से कार्यान्वित किया जा सकता है।चौथे सत्र में इस्कॉन हैदराबाद के गीता संदेश प्रबंधक, ऋषिकेश दास ने ;बेहतर व्यक्तित्व निर्माण; विषय पर प्रेरक व्याख्यान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने प्रतिभागियों को स्वयं के सबसे बुरे और सबसे अच्छे संस्करण के गुणों से परिचित कराया। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया कि कैसे प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर मौजूद नकारात्मक (बुरे) और सकारात्मक (बेहतर) गुणों को पहचान कर स्वयं का उत्थान कर सकता है।

उन्होंने बेहतर संस्करण के जिन प्रमुख गुणों को अपनाने पर बल दिया, वे हैं — सत्यनिष्ठा, कृतज्ञता, क्षमाशीलता, निष्ठा, जिम्मेदारी, सक्रियता, एकाग्रचित्तता, संसाधन संपन्नता, देशभक्ति, अनुशासन, दृढ़ निश्चय, दूरदर्शिता, तकनीकी दक्षता, दयालुता, दूसरों को शिक्षित करना,सहायता करना, संतोष एवं आध्यात्मिकता। दास ने प्रतिभागियों को बताया कि जीवन में दृष्टिकोण को बदलकर तथासत्संग, अच्छी पुस्तकों का अध्ययन, ध्यान, संतुलित आहार एवं सकारात्मक गतिविधियों में भाग लेकर हम अपने भीतर बेहतर संस्करण को विकसित कर सकते हैं। कार्यशाला के सफल आयोजन में हिंदी विभाग की श्रीमती डी. वी. रत्नाकुमारी, कनिष्ठ कार्यपालक (एनयूएस), विकास कुमार आज़ाद और डाक अनुभाग के कर्मी जयपाल का सक्रिय सहयोग रहा। कार्यशाला का समापन प्रतिभागियों द्वारा राजभाषा में कार्य करने हेतु शपथ से हुआ।

हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के तहत बाबागाव में वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण की पहल

तखतगढ (एजन्सी),

निकटवर्ती गांव बाबागाव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मे आज दिनाँक 9 जुलाई को सरकार द्वारा चलाये गये कार्यक्रम हरियालो राजस्थान के तत्वावधान मे श्री मारवाड़ सेवा संस्थान बॉबागाव व भामाशाहोंऔर ग्रामवासियों के सहयोग से वृक्षारोपण किया गया।

वृक्षारोपण में गॉव के लोगों ने व विधालय के बच्चों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले कर विधालय प्रांगण मे वृक्ष व पशु पक्षी प्रेमी जसा राम चौधरी (सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक) , किशोर व्यास, संस्थान के अध्यक्ष विजय मरुधर, मुकेशसिंह , मोन्टू सिंह , दशरथ सिंह , सुखाराम , वरदाराम, प्रदीप सीरवी ,और गॉव के प्रबुद्ध जनों युवाओं के साथ विधालय परिवार के वरिष्ठ अध्यापक ओपी वैष्णव, भरत बोराणा , गोविन्द, रमेश दमामी ने छात्र छात्राओं को संरक्षण संवर्धन की जिम्मेदारी भी दिलाई गई । श्री मारवाड सेवा संस्थान सामाजिक मसरोकार, प्रकृति को संवारने हेतु अनेक जगह वृक्षारोपण के साथ -साथ पशु पक्षियों के संरक्षण व संवर्धन का काम भी लगातार अपने क्षेत्रों कर रही है। जिसमें पक्षियों और राष्ट्रीय पक्षी मोर व अन्य वन्य जीवों के क्षुगे पानी कि व्यवस्था के साथ चिकित्सा सुविधा भी मुहैया करवा रहा है।

पूर्व सांसद सोयम बापूराव ने राज्यपाल से किया शासनादेश 49 को निरस्त करने का अनुरोध

आदिलाबाद (एजन्सी),

पूर्व सांसद सोयम बापूराव ने तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को कोमुरम भीम आसिफाबाद जिले में बाघ संरक्षण के नाम पर जारी शासनादेश 49 आदिवासियों के अधिकारों का हनन है और इस शासनादेश को तत्काल निरस्त करने का अनुरोध एक ज्ञापन देकर किया । उन्होंने हैदराबाद स्थित राज्यपाल के निवास राजभवन में आदिवासी नेताओं के साथ राज्यपाल के साथ आदिवासियों की समस्याओं पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि कोमुरम भीम जिले के आसिफाबाद और कागजनगर संभागों को बाघ संरक्षण में एकतरफा शामिल करने से जंगलों और वन भूमि पर निर्भर आदिवासियों के अधिकारों का हनन होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि संयुक्त शासनादेश 49 जारी करना अनुचित है क्योंकि राज्य सरकार परती भूमि के मुद्दों को सकारात्मक रूप से हल करने के लिए आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इस जिले में जेवीओ 49 को रद्द करने के लिए पहले से ही विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जिससे 339 प्रभावित गांवों में लोग चिंतित हैं। सोयंबापु राव ने कहा कि उन्होंने आदिवासियों को न्याय का आश्वासन दिया है।

राज्यपाल से मिलने वालों में पूर्व सांसद सोयंबापु राव, राष्ट्रीय अखिल भारतीय गोंडवाना महासभा के उपाध्यक्ष सिदाम आरजू मास्टर, जिला मेडी कुरीसेंग मोथिराम, राजगोंड राज्य सचिव पेंडुर सुधाकर, राजगोंड सेवा समिति के जिला सचिव मदवी नरसिंग राव, तिरयानी मंडल सर मेडी अदा सानू, एमपीटीसी के पूर्व उप मेडी आत्राम लिंगू, राजगोंड सेवा समिति के जिला प्रचार सचिव आत्राम चंदन शाह, आसिफाबाद मंडल अध्यक्ष आत्राम राकू, मानवाधिकार जिला अध्यक्ष आत्राम लिंगाराव आदि शामिल थे।

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net